संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 110
पृष्ठ 8
मंगलवार
07 जनवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कड़कड़ाती सर्दी में भी.... विचार- कैसे लीक मुक्त होगी.... खेल- सुपरस्टार क्ल्चर से.....

गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि, प्रकाश पर्व में हुए शामिल

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह बलिदान की अतुलनीय मिसाल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के पिता गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। उन्होंने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और उन्हें टॉफी–चॉकलेट दी। उन्होंने कहा कि 26–27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत के शीश 'कश्मीर' को बचाया जो आज भी भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के दो छोटे साहिबजादे जोरावर सिंह–फतेह सिंह ने इस्लाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया जिसके बाद उन्हें दीवारों में जिंदा चुनवा दिया गया। उन्होंने कहा कि चमकौर युद्ध में बड़े

साहिबजादे बाबा अजीत सिंह और जुझार सिंह शहीद हो गए और इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ। उन्होंने कहा ''सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने कहा कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। उनका कथन 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं... गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का भाव है जो नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरुओं गुरु नानक देव, गुरु अर्जुन देव, गुरु तेगबहादुर, गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जो परंपरा डाली, वे परंपराएं और उनका गौरवशाली इतिहास आज भी प्रेरणा प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा ''प्रकाश पर्व उसी प्रेरणा का दिवस है। लखनऊ का सौभाग्य है कि गुरु तेग बहादुर सिंह महाराज गुरु गोबिंद सिंह को बाल्यकाल में लेकर यहां आए और यहियागंज गुरुद्वारे में रुके थे। उनकी ऐतिहासिक परंपरा का संरक्षण करना, उसे बढ़ाकर भावी पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराना हमारा दायित्व बनता है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरु गोबिंद सिंह सिखों के 10वें गुरु थे। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, महान संत, सिखों के दशम गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि–कोटि नमन! उन्होंने कहा, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए समर्पित उनका पराक्रमी जीवन हम सभी को सत्य, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है।

मोदी को धामी ने दिया राष्ट्रीय खेलों में पधारने का आमंत्रण

नयी दिल्ली / देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर, राज्य में आयोजित राष्ट्रीय खेलों के लिए आमंत्रित किया। श्री धामी ने प्रधानमंत्री को मलारी (चमोली) की शॉल और नारायण आश्रम की प्रतिकृति भी भेंट की। श्री धामी ने राज्य के विकास में प्रधानमंत्री के नेतृत्व, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए प्रदेश की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। साथ ही,

उन्हें राज्य में संचालित विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। श्री धामी ने कहा कि ऋषिकेश – कर्णप्रयाग रेल परियोजना के प्रथम चरण पर तेजी से काम चल रहा है। टनकपुर बागेश्वर रेल परियोजना का सर्वे का कार्य हो चुका है। उन्होंने इस परियोजना की स्वीकृति और परियोजना का पूर्ण वित्तीय व्यय भार केंद्र सरकार द्वारा किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने ऋषिकेश में प्रस्तावित बुनियादी विकास कार्यों के लिए ऋषिकेश के पुराने रेल स्टेशन को बंद करने और सभी ट्रेनों का संचालन ऋषिकेश के नए योग नगरी रेलवे स्टेशन से किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि पुराने स्टेशन की भूमि पर जो रेल ट्रैक है, उसका उपयोग नई सड़क व्यवस्था के लिए किया जा सकेगा जिससे यातायात में सुधार होगा। श्री धामी ने उत्तराखंड में जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी देते हुए जल, जीवन मिशन में आवंटित केंद्रीय अंशदान की अवशेष धनराशि जल्द अवमुक्त किए जाने के लिए संबंधित को निर्देशित करने का आग्रह किया। उन्होंने ऋषिकेश को रिवर राफ्टिंग में आइकॉनिक सिटी के रूप में चयनित करने पर आभार व्यक्त करते हुए हरिद्वार–ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर और शारदा कॉरिडोर परियोजना के लिए राज्य के सीमित संसाधनों को देखते हुए केंद्र स्तर से संसाधन उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में भूतपीय ऊर्जा के दोहन के लिए आइसलैंड एंबेसी के सहयोग से एक एमओयू प्रस्तावित है। इस एमओयू पर भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से आवश्यक अनापत्ति पत्र प्राप्त किया जा चुका है। श्री धामी ने इस परियोजना के लिए सभी तकनीकी और वित्तीय सहयोग राज्य सरकार को प्रदान किए जाने का अनुरोध किया ताकि वर्ष 2070 तक कार्बन नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में उत्तराखंड अहम भूमिका निभा सके। उन्होंने सड़क परिवहन मंत्रालय में प्रेषित प्रस्तावों ऋषिकेश बायपास, हरिद्वार बायपास (पैकेज 2), देहरादून–मसूरी कनेक्टिविटी, देहरादून रिंग रोड, चंपावत बायपास, लालकुआं, हल्द्वानी और काठगोदाम बायपास और मानसखंड प्रॉजेक्ट की स्वीकृति के लिए संबंधित को निर्देशित किए जाने का भी अनुरोध किया।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025(रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

हाईस्पीड ट्रेन की बढ़ी मांग, पीएम मोदी बोले–

वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी

जम्मू, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही वर्चुअल तरीके से कई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में न्यू जम्मू रेलवे डिवीजन, चारलापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया और ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 की शुरुआत से ही भारत कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि मैंने कल दिल्ली NCR में 'नमो भारत' ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। घ्हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है। मोदी ने कहा कि हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तनों का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक दृश्यमान

परिवर्तन आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण, रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, रेलवे की देश के कोने–कोने में कनेक्टिविटी, रेलवे से रोजगार का निर्माण और उद्योगों को सपोर्ट शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत, रेल लाइनों के शत–प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है। हमने रेलवे की पहुंच को भी लगातार बढ़ावा दिया है। बीते 10 वर्षों में 30 हजार किमी. से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोग कम समय में लंबी दूरी की यात्रा करना चाहते हैं, इसलिए हमने देश भर में हाई–स्पीड ट्रेनों की भारी मांग देखी है। आज 50 से ज्यादा रूटों पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं।

कांग्रेस ने किया 'प्यारी दीदी योजना' का एलान

महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा

दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के बाद अब कांग्रेस ने दिल्ली की महिलाओं के लिए 2500 रुपये हर माह देने का वादा किया है। 'आप' की 'महिला सम्मान' योजना के सामने कांग्रेस ने 'प्यारी दीदी' योजना की घोषणा की है। कांग्रेस की इस योजना के तहत दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को हर माह 2500 रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का एलान किया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और श्आपश संयोजक अरविंद केजरीवाल के एलान के बाद कांग्रेस ने भी महिला वोटरों को लुभाने के लिए दांव खेला है। कांग्रेस ने 'प्यारी दीदी योजना'

के तहत दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये हर माह देने का वादा किया है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जानकारी दी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि ''आज मैं यहां 'प्यारी दीदी' योजना का शुभारंभ करने आया हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस दिल्ली में सरकार बनाएगी और हम महिलाओं को 2,500 रुपये देंगे और इसका फैसला कैबिनेट की पहली बैठक में ही किया जाएगा। यह उसी मॉडल पर है जो हमने कर्नाटक में लागू किया था। दिल्ली में चुनावी घोषणा करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि जैसे कर्नाटक में सरकार बनते ही महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना शुरू हुई, वैसे ही दिल्ली में भी सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में ही इस योजना को हरी झंडी दे दी जाएगी। कांग्रेस की श्प्यारी दीदीश योजना पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि ''उनके (आप) वादे लागू नहीं किए जा सकते। हमने अपनी योजना (कर्नाटक में) पहले ही लागू कर दी है। हम दिल्ली के लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे हम पर भरोसा करें, हम जो भी वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं...''। कांग्रेस की श्प्यारी दीदीश योजना पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि ''मेरा मानना है कि दिल्ली में जिस तरह के हालात हैं, उसमें हर महिला को 2500 रुपये दिए जाने की जरूरत थी।

एचएमपीवी को लेकर दिल्ली सरकार सतर्क, सौरभ भारद्वाज ने स्वास्थ्य सचिव से प्रतिदिन अस्पतालों का निरीक्षण करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में तीन एचएमपीवी पॉजिटिव मामले सामने आने के बाद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को दिल्ली में पूरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया। भारद्वाज ने स्वास्थ्य सचिव को प्रतिदिन तीन अस्पतालों का निरीक्षण कर उन्हें रिपोर्ट सौंपने को कहा। उन्होंने अस्पतालों को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह का पालन करने को कहा है, जबकि परिवार और स्वास्थ्य विभाग को लगातार उसके संपर्क में रहने का निर्देश दिया है। इस बीच, उन्होंने अधिकारियों से सतर्क रहने और किसी भी निर्देश की आवश्यकता होने पर किसी भी मुद्दे को सीधे उनके पास लाने को कहा। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह के अनुसार सभी अस्पतालों को सांस की बीमारी में किसी भी संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को राजधानी में तैयारियों के बारे में समय पर अपडेट प्राप्त करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संपर्क में रहना चाहिए। कार्रवाई में देरी करने की कोई आवश्यकता नहीं है, यदि निर्देशों की आवश्यकता हो तो तुरंत फोन पर मेरे पास समस्याएँ लाएँ। सौरभ भारद्वाज ने यह भी लिखा कि स्वास्थ्य सचिव प्रतिदिन तीन अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और रिपोर्ट मंत्री को सौंपेंगे। स्वास्थ्य सचिव प्रतिदिन ईडीएल सूची, दवा और आईसीयू बिस्तर की उपलब्धता, उपकरण और पीएसए संयंत्रों की स्थिति, डेटा एंट्री ऑपरेटरों की उपलब्धता की रिपोर्ट देंगे।

'श्री प्रकाश मिश्रा को मिला आचार्य विद्याश्री निवास मिश्र स्मृति सम्मान –2025'

प्रयागराज। प्रसिद्ध साहित्यकार श्रीप्रकाश मिश्रा को आचार्य विद्याश्री निवास मिश्र स्मृति सम्मान कृ2025 सम्मान से नवाजा जाएगा। यह सम्मान उन्हें 14 जनवरी को एक अलंकरण समारोह वाराणसी में प्रदान किया जाएगा।

कुंभ क्षेत्र में वक्फ बोर्ड की भूमि बताकर माहौल बिगाड़ने वालों को अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने चेताया

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में शांति और सुरक्षा को लेकर रविवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के साथ पुलिस के आला अफसरों ने लंबी चर्चा की। इसमें महंत ने संपूर्ण मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और चाकचौबंद करने के लिए कहा। बैठक में एडीजी जोन भानु भास्कर, एसएसपी कुंभ राजेश द्विवेदी, एसपी अखाड़ा अवनीश मिश्रा, सीओ अखाड़ा अजय प्रताप सिंह, सीओ अखाड़ा अतुल कुमार पांडेय और सीओ अखाड़ा दिनेश दत्त शामिल रहे। इन्होंने महंत रवींद्र पुरी को आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। इसी दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सरकार का पूरा प्रयास मेले को दिव्यता और भव्यता के साथ संपन्न कराने का है। उन्होंने कहा कि जब से खालिस्तानी वाली बात सामने आई है तब से सुरक्षा व्यवस्था को चाकचौबंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 13 अखाड़ों के पास सबसे बड़ी फौज सनातन धर्म के नागा संन्यासियों की है जो सनातन की रक्षा के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जो हमसे टकराएगा वह चूर–चूर हो जाएगा। यह भी कहा कि इमाम साहब का दिमाग सही काम नहीं कर रहा है। उनके मानसिक स्थिति सही तरह से काम नहीं कर रही है उन्होंने कहा कि हमारे 13 अखाड़े में बड़े–बड़े संत महापुरुष मौजूद हैं हम इमाम साहब से कहते हैं कि वह यहां आएं। हम उनका दिमाग सही कर देंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा कि कुंभ मेला क्षेत्र और उसकी भूमि झूसी से दारागंज तक फैली है, और जब भी मां गंगा अपने उफान पर आती है तो सब कुछ इसमें समोह लेती है। लेकिन, मौलाना कहते हैं कि यह भूमि उनकी है।अखिल भारतीयअखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा कि भूमि गंगा मैया की है। मौलाना का दिमाग सही तरह से काम नहीं कर रहा है। वह अपनी राजनीति कर रहे हैं और अपने आप कों चमकाने के साथ मुस्लिम समाज के नेता बनना चाहते हैं, इसलिए हम उनसे कहते हैं कि वो राजनीति न करें। हम साधु संत हैं हम तपस्या के लिए आए हैं। हम तपोनिष्ट और धर्मनिष्ठ हैं। इसलिए हम उनसे कहना चाहते हैं कि हमसे राजनीति न करें और कोई काम ऐसा ना करें जिससे विवाद की स्थिति पैदा हो और माहौल खराब हो ऐसा कोई प्रयास न करें ऐसा करने से कहीं ऐसा ना हो की कुंभ स्नान की जगह कोई दूसरा कुंभ हो जाए। क्योंकि संत शास्त्र और शस्त्र दोनों का ज्ञान भली–भांति जानते हैं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अखिल भारतीय परिषद 13अखाड़ों के संत महापुरुषों के साथ दिव्या और भव्यता के साथ सम्पन्न कराएंगे। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालका नंद गिरी, महा ब्रह्म ऋषि कुमार स्वामी महाराज ने कहा कि महाकुंभ मेला हमारी भारतीय संस्कृति की अद्भुत पहचान है और सभी संत महापुरुषों के आशीर्वाद से यह महा कुंभ मेला सकुशल होगा। इस अवसर पर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालका नंद गिरि, महा ब्रह्म ऋषि कुमार स्वामी, अखाड़े के सचिव श्रीमहंत राम रतन गिरि, श्रीमहंत ओमकार गिरि, श्रीमहंत राधे गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी अनंतानंद, महंत राजगीर सहित कई संत मौजूद रहे।

कुंभ की कहानी कह रहीं मजार तिराहे पर लगीं कलाकृतियां, आकषर्ण का केंद्र होगी शहीद वॉल

प्रयागराज। कुंभ से जुड़ी कोई रोचक जानकारी चाहिए तो मजार तिराहा पहुंचें। मजार तिराहा पर बनी स्मार्ट रोड और वहां लगाई गई विशिष्ट कलाकृतियां महाकुंभ से जुड़ी रोचक जानकारी दे रही हैं। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मिशन मैनेजर (जनरल) संजय कुमार रथ का कहना है कि महाकुंभ–2025 से पहले हमने शहर वासियों को कई ऐसे तोहफे दिए हैं जो न केवल महाकुंभ, बल्कि उसके बाद भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

रहेंगे। सिविल लाइंस में बनाई गई शहीद वॉल अमर शहीदों को श्रद्धांजलि है। बालसन चौराहे पर 44 लाख रुपये की लागत से लगाए गए तीन इलुमिनेशन टावरों से रात में चौराहे का नजारा बेहद भव्य दिखता है। इन टावरों को पूरी तरह से डस्ट एवं वाटर प्रूफ मटेरियल से बनाया गया है। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को समर्पित शहीद स्मारक दीवार स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत प्रयागराज के सिविल लाइंस में महात्मा गांधी मार्ग पर बस अड्डे के सामने ढाई करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है। प्रयागराज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत स्थली है और ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान का गवाह भी है।इन अमर शहीदों के अलावा जिले में ऐसे कई गुमनाम शहीद भी हैं, जिनके बलिदान से नई पीढ़ी अभी भी परिचित नहीं है। इन्हीं गुमनाम शहीदों की बलिदान गाथा को प्रकाश में लाने के लिए शहीद वॉल का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना में भारत की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले प्रयागराज समेत पूरे भारत के 29 स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी को उकेर कर उन्हें सम्मानित किया गया है।

संगम पर देश–दुनिया से गृहस्थी लेकर पहुंचने लगे कल्पवासी, रेती पर यज्ञशालाएं सजाने की तैयारी

प्रयागराज। प्रयागराज में संगम तट पर विश्व की सबसे बड़ी तंबुओं की नगरी आकार ले चुकी है। हफ्ते भर बाद पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ मास पर्यंत जप, तप, ध्यान का मेला आरंभ हो जाएगा। इसके लिए देश–दुनिया भर से कल्पवासी और नेमी गृहस्थी लेकर आने लगे हैं। रविवार को बांस, लकड़ी, पुआल के बीच गृहस्थी लादकर बड़ी संख्या में कल्पवासी शिविरों में पहुंच गए। कल्पवासियों का कारवां चलने से पांटून पुलों पर लंबी कतारें लगने लगी हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर 12 वर्ष बाद दुर्लभ संयोग में लग रहे महाकुंभ में अमृतमयी पुण्य की डुबकी के लिए देश भर से साधु– संतों और कल्पवासियों के आने का क्रम शुरू हो गया है। यहां 13 जनवरी यानी पौष पूर्णिमा पर्व से महाकुंभ की शुरुआत हो जाएगी। प्रथम डुबकी के लिए जहां मेला प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है, वहीं कल्पवासी रेती पर अपनी गृहस्थी सजाने के लिए आतुर हैं। गंगा– यमुना के किनारे के स्नान घाटों से लेकर संगम की सर्कुलेटिंग एरिया में पुआल बिछाने का काम तेज कर दिया गया है ताकि रेत पर कीचड़ न फैलने पाए और स्नानार्थियों को ठंड से बचाया जा सके। इसी के साथ सभी 25 सेक्टरों में पांटून पुलों के प्रवेश और वापसी मार्गों के अलावा तिराहों, चौराहों पर पुलिस व पैरामिलिट्री के जवानों को तैनात कर दिया गया है। इस ठंड में श्रद्धालुओं की सेहत का ख्याल रखने के लिए बड़ी संख्या में चिकित्सक और पैरा–मेडिकल स्टाफ की भी तैनाती कर दी गई है।

वीआईपी–वीवीआईपी को सलाह– मुख्य स्नान पर्वों पर न आएं मेला, प्रोटोकश्वल अनुभाग की एडवायजरी

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के प्रोटोकॉल अनुभाग ने एडवायजरी जारी की है कि महाकुंभ में भीड़ व सुरक्षा के मद्देनजर वीआईपी, वीवीआईपी व अन्य गणमान्य व्यक्ति मुख्य स्नान पर्व व उसके आसपास प्रयागराज आने से बचें। एडवायजरी में कहा गया है कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा, 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पहला शाही स्नान, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का दूसरा शाही स्नान, तीन फरवरी को बसंत पंचमी का तीसरा शाही स्नान, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा व 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान पर्व है। इस दौरान प्रयागराज में भारी भीड़ होगी और सुरक्षा की भी अतिरिक्त व्यवस्था करनी होगी। ऐसे में अगर कोई वीआईपी, वीवीआईपी या गणमान्य व्यक्ति आते हैं तो उनके लिए सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाएं कर पाना मुश्किल होगा।

एटीएस पहुंची थाने, आतंकी धमकी देने वाले छात्र से पांच घंटे पूछताछ

प्रयागराज। महाकुंभ में आतंकी वारदात कर एक हजार लोगों को मारने की धमकी देने वाला 11वीं का छात्र रविवार को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया। इससे पहले एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) के साथ आईबी व एलआईयू अफसरों ने उससे थाने में पांच घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद किशोर न्याय बोर्ड की अनुमति से उसे बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया। प्रभारी इंस्पेक्टर संतोष कुमार शर्मा के नेतृत्व में आरोपी को एक दिन पहले गिरफ्तार करने वाली मेला स्वाट टीम उसे लेकर सुबह 11 बजे के करीब शहर पहुंची। यहां से उसे एमजी मार्ग थाने में ले जाया गया। करीब एक घंटे बाद वहां एटीएस अफसरों की एक टीम पहुंची और उससे पूछताछ शुरू की। टीम ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि इस घटना के पीछे कोई साजिश तो नहीं। इसके बाद आईबी व एलआईयू अफसरों ने भी उससे सवाल–जवाब किए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शाम पांच बजे तक करीब पांच घंटों तक उससे पूछताछ की जाती रही। हालांकि, किसी साजिश की बात सामने नहीं आई है। शाम को छह बजे के करीब एमजी मार्ग थाना पुलिस आरोपी को लेकर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पहुंची। एसएसपी कुंभ राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि विस्तृत पूछताछ के बाद आरोपी बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड की अनुमति से बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ में यह भी पता चला कि उसने जिस सिम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई, वह पड़ोस में रहने वाले दोस्त की मां का था। उसके मांगने पर दोस्त ने उसे सिम दे दिया था। आरोपी के पिता बिहार के पूर्णिया जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र स्थित पैतृक गांव शहीदगंज में ही किराने की दुकान चलाते हैं। जबकि वह दो भाइयों में बड़ा है और 11वीं कक्षा का छात्र है। जिस नसर पठान के नाम पर उसे फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर धमकी भरा पोस्ट किया, वह स्कूल में सहपाठी होने के साथ–साथ कोचिंग में भी उसके साथ ही पढ़ता था। दोनों में दोस्ती थी लेकिन कुछ दिनों पहले किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद ही उसने उसे फंसाने के लिए यह घटना की।

बंधवा हनुमान मंदिर में घुसे चार आतंकी, महंत को बनाया बंधक, तीन आतंकी ढेर

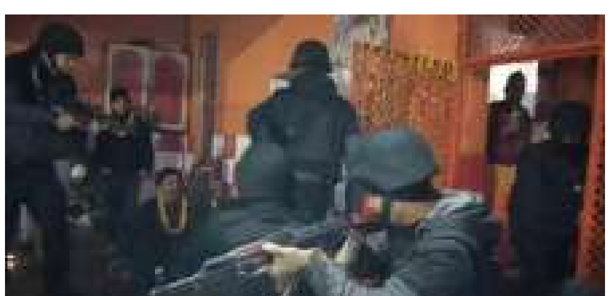

प्रयागराज। संगम क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर में शनिवार रात चार आतंकी घुस गए। उन्होंने मंदिर के महंत को बंधक बना लिया। इसकी सूचना मिलने पर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) व एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीसी) ने मंदिर में पहुंचकर मोर्चा संभाला। 27 मिनट तक चले ऑपरेशन में तीन आतंकी मौके पर ही ढेर कर दिए गए जबकि एक को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पता चला कि एनएसजी व एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई मेला क्षेत्र में रात में हुई पहली काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज का हिस्सा थी। रात 10:06 बजे यह एक्सरसाइज शुरू हुई। वायरलेस पर मैसेज प्रसारित हुआ कि हनुमान मंदिर में चार आतंकी घुस गए हैं और उन्होंने महंत को बंधक बना लिया है। इस सूचना पर कुछ ही देर में वहां एनएसजी व एटीएस के कमांडो पहुंच गए। दोनों टीमों ने सबसे पहले मंदिर परिसर को अपने घेरे में ले लिया। इसके बाद एनएसजी के जवानों की एक टीम भीतर घुसी। उधर, दूसरी ओर से एटीएस के कमांडो भी मुस्तैद हो गए। एक टीम ने सामने जबकि दूसरी टीम ने निकास द्वार की ओर से मंदिर में प्रवेश किया। भीतर पहुंचने पर चार आतंकी महंत को बंधक बनाए नजर आए। वह कुछ कर पाते, इससे पहले ही कमांडोज ने एक आतंकी को दबोच लिया। तीन आतंकियों ने फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। इस पर कमांडोज ने तीनों को मौके पर ही ढेर कर दिया। 27 मिनट तक चला ऑपरेशन रात 10रू33 बजे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज के दौरान अचानक मंदिर परिसर में दर्जनों कमांडोज को देखकर दर्शनार्थी स्तब्ध रह गए। अगले ही पल यह एनाउंसमेंट हुई कि दर्शनार्थी जल्दी से जल्दी मंदिर परिसर खाली कर दें तो वह सहम गए। हालांकि, कुछ देर बाद जब सच्चाई पता चली तो उन्होंने राहत की सांस ली। महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए हनुमान मंदिर में शनिवार रात मॉकड्रिल की गई। इसमें जवानों ने आतंकी वारदात से निपटने का पूर्वाभ्यास किया।

किन्नर हिमांगी को महामंडलेश्वर की उपाधि दिए जाने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद नाराज

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी को महामंडलेश्वर की उपाधि देने पर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष, आरएसएस प्रमुख और राष्ट्रपति का पद भी खाली होने वाला है, ऐसे में क्या किन्नरों को वहां भी बैठाया जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को महाकुंभ का निमंत्रण देने पर कहा कि निमंत्रण मिलने से स्नान का पुण्य नहीं मिल जाता। योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के मद्देनजर बहुत काम कराए हैं। हो सकता है वह लोगों को निमंत्रण देकर अपने उन कार्यों को दिखाना चाहते हों। उन्होंने बताया कि हमारे यहां शंकराचार्य दंडी स्वामी को बनाने की परंपरा रही है। कोई पुरुष या महिला ही शंकराचार्य बन सकता है। इससे इतर जेंडर को शंकराचार्य नहीं बनाया जा सकता है। महाकुंभ का आमंत्रण देने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि गंगा स्नान का आमंत्रण देने की परंपरा कभी नहीं रही है। लोग स्वयं आकर स्नान करते हैं और मां गंगा की पूजा करते हैं। अगर कोई बुलाने पर गंगा स्नान करने आता है तो उसका कोई महत्व नहीं है। कोई फल भी नहीं मिलता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पर बहुत सी सड़कें, घाट और पुल बनवाए हैं। वह चाहते हैं कि लोग आकर यहां की व्यवस्था को देखें।इसलिए निमंत्रण देना कोई खराब बात नहीं है। महाकुंभ सनातनियों का सबसे बड़ा समागम है। यहां से सनातन धर्म का सबसे बड़ा संदेश जाना चाहिए। वह संदेश है गोरक्षा का। हिंदुओं की पहचान गोत्र होती है। समाज में हिंदू जहां भी रहता है वह गाय की पूजा करता है। देश में हिंदू बहुसंख्यक हैं, लेकिन गाय काटी जा रही है।

दोहरी लाइन वाले हो गए वाराणसी जाने वाले तीनों रेलमार्ग, महाकुंभ के मद्देनजर तेजी से हुआ कार्य

प्रयागराज। प्रयागराज–फाफामऊ–जंघई रेलमार्ग पर मुख्य संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) के स्पीड ट्रायल के साथ ही महाकुंभ के पूर्व संगमनगरी से बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी जाने वाले तीनों रेल मार्ग का अब दोहरीकरण हो चुका है। यह तीनों ही रेलमार्ग अलग–अलग तीन जोनल रेलवे के अधीन हैं। इसमें से दो रेलमार्ग का बीते एक माह के अंदर ही दोहरीकरण का कार्य संपन्न हुआ है। अब वाराणसी जाने वाले तीन रेलमार्ग का दोहरीकरण होने से महाकुंभ पर चलने वाली स्पेशल ट्रेनों का आवागमन और सुगम हो जाएगा। प्रयागराज से वाराणसी के लिए कुल तीन रेलमार्ग हैं। इन तीनों ही में सबसे लंबा रास्ता वाया मिर्जापुर होकर ही है। इसका अधिकांश भाग उत्तर मध्य रेलवे के ही अधीन है। वाराणसी जाने को माहभर पूर्व यह एकमात्र दोहरीकरण वाला रेलमार्ग था, लेकिन अब एक माहभर में ही दो अन्य रेलमार्ग भी दोहरी लाइन वाले हो गए हैं। इसमें प्रयागराज जंक्शन– प्रयागराज रामबाग–ज्ञानपुर रोड–वाराणसी रेलमार्ग प्रमुख रूप से शामिल हैं।पीएम मोदी ने 13 दिसंबर को ही इस रेलमार्ग पर बने नए गंगा पुल के साथ दोहरीकरण का लोकार्पण किया था। यह रेलमार्ग पूर्वोत्तर रेलवे के अधीन है। इसी तरह वाराणसी के लिए एक अन्य तीसरे रेलमार्ग का भी दोहरीकरण हो चुका है। प्रयागराज जंक्शन–फाफामऊ– जंघई– वाराणसी रेल मार्ग के फाफामऊ– उग्रसेनपुर रेलखंड का शनिवार को ही सीआरएस ने ट्रायल लिया। डीआरएम लखनऊ एसएम शर्मा का कहना है कि दोहरीकरण हुए फाफामऊ–जंघई रेलमार्ग पर सीआरएस ट्रायल के बाद ट्रेन संचालन की अनुमति दे दी गई है।

गुजरात जहाज क्रैश में जान गंवाने वाले सौरभ के घर पर मचा कोहराम, धूमनगंज में रहता है परिवार

प्रयागराज। गुजरात के पोरबंदर में कोस्ट गार्ड का हेलीकॉप्टर क्रैश होने से जान गंवाने वाले सेना के तीन जवानों में एक सौरभ यादव प्रयागराज के के रहने वाले थे। कौशाम्बी जिले के

अलीगंज कोखराज के मूल निवासी ज्ञान सिंह के पुत्र सौरभ यादव का परिवार प्रयागराज में धूमनगंज थाना क्षेत्र के प्रीतमनगर में रहता है। रविवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। सौरभ के दो बेटे हैं। वर्तमान में सौरभ भारतीय तट रक्षक गुजराज में अपनी सेवाएं दे रहे थे। बता दें कि गुजरात के पोरबंदर में कोस्ट गार्ड का एक हेलीकॉप्टर रविवार को क्रैश हो गया था। इस हादसे में कुल तीन लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में पायलट और को–पायलट शामिल हैं। रविवार दोपहर गुजरात के पोरबंदर हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी।

नौ मार्गों पर दौड़ीं ई–शटल बसें, शेष अन्य मार्गों पर दस चलाने की तैयारी

प्रयागराज। सीएम योगी के निर्देश के बाद महाकुंभ मेले को लेकर ई–शटल बसों का संचालन कुल नौ रूटों पर शुरू हो गया। प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के तहत इनका संचालन 17 मार्गों पर रविवार से शुरू होना था। लेकिन, नौ रूट पर ही बसें चलाई जा सकीं। प्रयागराज एयरपोर्ट–सिविल

लाइंस रूट पर एक जनवरी से ही ई–शटल बस सेवा शुरू हो चुकी है। आठ रूटों पर रविवार से इसकी शुरुआत हुई। बाकी आठ रूटों पर ई–शटल बस सेवा दस जनवरी तक शुरू करने की बात अफसरों ने कही है। पिछले दिनों मेले से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने आए सीएम योगी ने पांच जनवरी से शहर में ई–शटल बस सेवा शुरू करने का निर्देश अफसरों को दिया था। तैयारी थी कि पांच जनवरी से ही सभी 17 रूटों पर ई–शटल सेवा शुरू कर दी जाए। लेकिन, कानपुर, लखनऊ व आगरा से आने वाली बसों के न पहुंचने पर भी रविवार को कुल नौ रूटों पर शटल सेवा शुरू कर दी गई। सर्वाधिक 11 बसें पूरामुफ्ती–त्रिवेणीपुरम रूट पर लगाई गईं। इस रूट पर ई–बसें हाईकोर्ट फ्लाईओवर, सिविल लाइंस, मेडिकल चौराहा, जीटी जवाहर, झूंसी होते हुए त्रिवेणीपुरम पहुंचीं। दस बसें शांतिपुरम–कोहड़ारघाट रूट पर लगाई गईं। इनका रूट शांतिपुरम से फाफामऊ, तेलियरगंज, सिविल लाइंस हनुमान मंदिर, रामबाग, लेप्रोसी नैनी, रेमंड, रामपुर रहा। रविवार सुबह कोहरे से इनका संचालन दोपहर 12 बजे के आसपास हुआ। ई–शटल बस सेवा के रूप में चलने वाली ई–बसों के लिए बेला कछार, नेहरू पार्क, अंदावा में भी चार्जिंग स्टेशन बनाया गया है, जो तकरीबन तैयार हो चुके हैं।

इस मांग को पूरी होने पर ही जुबान खोलेंगे मौनी बाबा, 51 घड़ों में रखे जल से तड़के स्नान करते हैं ये

प्रयागराज। संगम की रेती तपस्वी साधु–संतों से गुलजार होने लगी है। इनकी साधना देख आश्चर्य भी होता है, मन में अपार श्रद्धा भी उत्पन्न होती है। सेक्टर–20 अग्नि अखाड़े में एक ऐसे ही संत आए हैं। वह पिछले 12 वर्षों से मौन धारण किए हैं। मौन होकर तपस्या करने की वजह से वह मौनी बाबा के नाम से विख्यात हो गए हैं। अगर उन्हें किसी से कुछ कहना होता है तो वह बोर्ड पर लिख देते हैं। राजस्थान के उदयपुर से आए रामानुज पुरी महाराज अग्नि अखाड़े के नागा संन्यासी हैं। वह देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 12 साल से मौन व्रत का संकल्प लिए हुए हैं। शिष्यों को अपनी बात समझाने के लिए अपने पास एक डिजिटल बोर्ड व एक कलम रखे हुए हैं। जिसपर लिखकर जरूरत की चीजों को मांगते हैं। कोई अन्य बात भी इसी के माध्यम से वह अपने शिष्यों तक पहुंचाते हैं। डिजिटल बोर्ड होने की वजह से लिखा हुआ आसानी से मिट भी जाता है। उनके शिष्य बताते हैं, पहले वह सामान्य बोर्ड पर चॉक से लिखते थे। कुछ वर्ष पहले ही उन्होंने डिजिटल बोर्ड का इस्तेमाल शुरू किया है। उनके गुरु भाई नागा संन्यासी कन्हैया पुरी बताते हैं कि देश और विदेश में आए दिन हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। इसी को देखते उनके गुरु भाई रामानुज पुरी महाराज 12 साल पहले देश के हिंदू राष्ट्र बनने तक मौन धारण करने का संकल्प लिए थे। इस साल उनके संकल्प का 12 साल पूरा हो गया। वह बताते हैं, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती वह अपनी जुबान नहीं खोलेंगे। सेक्टर–20 में श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़े के राजस्थान के नागा बाबा प्रमोद गिरि जी महाराज अनूठी साधना में लीन हैं। वह हर दिन तड़के 4रू15 बजे मिट्टी के 51 घड़ों में रखे गंगाजल से स्नान करते हैं। शिविर में भक्त विशेष आसन पर बैठाकर उन्हें स्नान कराते हैं। उनकी यह अनूठी साधना 21 दिनों तक चलेगी। बाबा विश्व शांति और भारत के कल्याण के लिए नौ साल से इस साधना में लीन हैं। भक्त रात में ही 51 घड़ों में गंगाजल भरकर रख देते हैं। इसके बाद बाबा तड़के स्नान करते हैं।

कुरुक्षेत्र से जंगम जाति के लोग पहुंचे संगम, शिव विवाह की कथा सुनाकर श्रद्धालुओं से लेते हैं भिक्षा

प्रयागराज। संगमनगरी जपतप और दान–पुण्य के लिए जानी जाती है। 13 जनवरी से महाकुंभ स्नान पर्व शुरू हो जाएगा। इससे पहले जहां एक ओर साधु–संत शाही स्नान करने के लिए बेताब हैं। वहीं, कुरुक्षेत्र से जंगम जाति के संत भी संगम पहुंच गए हैं। सिर पर सजे नाग और मोर मुकुट उन्हें अन्य साधु–संतों से अलग करते हैं। महाकुंभ के दौरान ये संत शिव–पार्वती के विवाह की कथा सुनाकर लोगों से भिक्षा मांगते हैं। कुरुक्षेत्र से आए सोम गिरि बाबा बताते हैं वह जूना अखाड़े के संन्यासी हैं। वह जंगम जाति से आते हैं। उनके साथ करीब 50 लोग संगम आए हैं। वह लोग भगवान शंकर और पार्वती के विवाह की कथा लोगों को सुनाते हैं। उसके बदले में उनसे एक टल्ली दान लेते हैं। बाबा ने टल्ली के मतलब को समझाते हुए कहा कि, टल्ली शंकर जी की सवारी नंदी बैल के गले की घंटी है, जिसे वह लोग अपने पास भिक्षा मांगने के लिए पात्र के रूप में रखते हैं। इसमें करीब 150 ग्राम अनाज आता है। खास बात यह है कि यह लोग एक व्यक्ति से सिर्फ एक ही टल्ली भिक्षा लेते हैं।

मानवता का महान मंदिर है श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ - डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि जीवन के अर्थ को परमार्थ में बदलने वाला मानवता का महान मंदिर श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ है। बुधवार की सुबह स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ द्वारा नवीन आश्रम परिसर में अध्यक्ष डॉ उमर अली शाह स्वामी की अध्यक्षता में आयोजित आंग्ल नववर्ष महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दार्शनिक– चिकित्सा मानसिक तंत्र को नियंत्रित करती है जिससे युवा निराशा और अवसाद में नहीं पड़ते। उन्होंने कहा कि इससे मानव जीवन दर्शन को सही अवस्था में जीवित रखना संभव है।उन्होंने कहा कि वह बच्चों के लिए दार्शनिक बाल विकास और युवाओं के लिए दार्शनिक युवा विकास संगठनों का संचालन कर रहे हैं, जो मानव कल्याण के लिए उपयोगी है। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि मानवता में आध्यात्मिक और दार्शनिक ज्ञान की लौ जलाकर विश्व मानव शांति के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हर किसी में मानवता के मूल्य पनप रहे हैं। तात्विक बाल विकास के छात्र अभिनव चंद्रक, लिखिला उमामहेश्वरी, अमरनाथ रेड्डी, संहिता और उर्विशा के भाषणों ने दर्शकों को भाव–विभोर किया। जया शंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. एन. राम गोपाल वर्मा ने ड्रोन पायलट प्रशिक्षण पर एक जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया और सभा को युवा रोजगार के अवसरों के बारे में बताया। केंद्रीय समिति के सदस्य श्री एनटीवी प्रसाद वर्मा, पीठम के संयोजक श्री पेरुरी सुरिबाबू पीठम ने वैश्विक प्रसार के लिए सदस्यों के 72 विभागों में सेवा सहयोग के लिए कहा। वर्ष 2025 के संगीत स्वर निधि श्री एडिदा सुब्रमण्यम मेमोरियल संगीत शिरोमणि पुरस्कार से दो प्रमुख संगीत सेवकों श्री एम मुकुंद प्रवीण और श्रीमती उमामहेश्वरी दंपत्ति को 25000 रुपये नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और कई सम्मानों से सम्मानित किया गया। श्री मुकुंद प्रवीण श्रीमती उमामहेश्वरी ने जोड़े के जन्म के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त की। श्री एनटीवी प्रसाद वर्मा ने पीठ के लिए श्री एडिदा सुब्रमण्यम द्वारा की गई संगीत सेवाओं के बारे में बताया। वर्ष 2025 के नए साल की बैठक में, उन्होंने पॉकेट कैलेंडर, डायरी और दीवार कैलेंडर का अनावरण किया और दानदाताओं को प्रतियां दीं। उन्होंने उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट की ओर से एक जरूरतमंद महिला को एक सिलाई मशीन दी। इस कार्यक्रम में डॉ. उमा लताश्री ने योगदान दिया। पीठाधिपति ने अपने भाई अहमद अली शाह और विभिन्न विभागों में सेवाएं देने वाले 13 स्वयंसेवकों को पक्षियों को खिलाने के लिए अनाज दिया। उन्होंने तात्विक बाल विकास के छात्र अभिनव चंद्रक, उर्विशा और संहिता को सम्मानित किया। केंद्रीय समिति के सदस्य श्री एवीवी सत्यनारायण, डॉ. पिंगली आनंद कुमार और अन्य ने भाग लिया। पीठासीन अधिकारी डॉ. उमर अली शाह ने नववर्ष के पावन दिन 126 लोगों को महामंत्र का उपदेश दिया। नववर्ष मिलन समारोह में आये हजारों सदस्यों, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों को भोजन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

सरकारी आदेशों का पालन करते हुए नववर्ष का स्वागत

विश्वनाथ।असम में लोग सरकारी आदेशों का पालन करते हुए नववर्ष 2025 का धूमधाम से स्वागत कर रहे हैं। हर वर्ग के लोग चाहे वह अमीर हो या मध्यम वर्ग के, सब अपनी–अपनी सुविधा के अनुसार जगह–जगह छोटी–बड़ी पार्टियों का आयोजन कर नये साल का जश्न मना रहे हैं। इस क्रम में ऑफिसर कॉलोनी न्यू बंगाईगांव में भी यहां के रेल कर्मियों के परिवार वालों ने नववर्ष के पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई तरह की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें में कॉलोनी के सभी लोगों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। वरीय अनुभाग अभियंता श्री बबलू कुमार ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों के बीच आपसी सद्भावना बढ़ती है और लोग एक दूसरे से जुड़ते हैं। वहीं वरिष्ठ शिक्षक श्री नयन मोनी आचार्जी ने बताया कि लोग जीवन में कई तरह की परेशानियों या तनाव से गुजर रहे होते है, ऐसे में आपस मेलजोल और हंसने–गाने से लोग तनावमुक्त होते हैं। कॉलोनी की महिला सदस्या श्रीमती रितु गुप्ता ने बताया कि कॉलोनी के पुरुष वर्ग अपने ऑफिस में या बाहर जाकर कई बार पिकनिक कर या फिर पार्टियों में शामिल होकर मनोरंजन करते हैं परन्तु हम महिलाएं जो हाउसवाइफ हैं, अधिकतर घर में ही रहते हैं। ऐसे में कॉलोनी में अगर पिकनिक जैसा कोई कार्यक्रम होता है तो हम सब अपने बच्चों के साथ तनावमुक्त होकर आनंद उठा सकते हैं। शहर की जानी–मानी ब्यूटीशियन श्रीमती रुचि सिंह ने बताया कि इस तरह के आयोजन से घरेलु महिलाओं को एक छोटा–मोटा प्लेटफार्म मिलता है, जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा सकती है। पुरुष वर्ग का इस काम में सहयोग जरूरी है। वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री राहुल साक्या ने बताया कि नववर्ष के नाम पर जो लोग शराब पीकर उत्पात मचाते हैं, उनपर रोक लगनी चाहिए। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल भी सरकारी आदेश के अनुसार हो, जिससे आमजन को परेशानी न हो। वरीय अभियंता श्री प्रमोद रंजन का मानना है कि जहां हमलोग किसी पार्टी में इतना खर्च करते हैं, तो थोड़ा सा हिस्सा गरीब लोगों के लिए भी रखें। पार्टी में खाना बचते ही है, उन बचे हुए खाना को आस पास के गरीब लोगों में बंटवाने की व्यवस्था आयोजकों को सोच लेनी चाहिए। वैसे खाना फेकने या बर्बाद करने से अच्छा है कि कोई भूखा इसे खाए। इस क्रम में प्रसिद्ध ब्लॉगर और यूट्यूबर श्री रंजन कुमार ने बेहतर उद्घोषणा से सबका मन मोह लिया। रेल कारखाना के वरीय अभियंता श्री चंदन कुमार ने बताया कि सरकारी आदेशों का पालन करते हुए हर कार्यक्रम होनी चाहिए। इससे समाज में अच्छा संदेश जाता है, लोगों में उमंग का वातारण सृजित होता है। वे इस तरह के आयोजन से काफी खुश है। वरीय अभियंता श्री शुभोजित सशमल और संदीप कुमार ने इस कार्यक्रम को सफल बताया और इसके लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया। साथ ही अभियंता श्री, सक्षम सत्यम, श्री अनुपम सोनकर, श्री रवि रंजन इत्यादि ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए समस्त मानव जाति के लिए मंगल कामनाएं कर नए साल की बधाई दी।

'ग्लोबल आयुष एक्सपो 2025' (आयुष महाकुंभ) में दर्जन भर से अधिक डॉक्टरों हुए शामिल'

'डॉ. एके द्विवेदी ने अप्लास्टिक एनीमिया पर दिया व्याख्यान'

प्रयागराज। संजीवनी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित श्ग्लोबल आयुष एक्सपो 2025श (आयुष महाकुंभ) में दो दिवसीय आयुष कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कॉन्फ्रेंस में जिले के अलावा दूसरे शहर एवं प्रदेशों से आए डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। इंदौर से आए आयुष मंत्रालय एवं होम्योपैथिक चिकित्सक सीसीआरएच वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. अश्वनी कुमार द्विवेदी ने कैंसर फाइटर्स एवं एनीमिया के मरीजों के कारण, उपचार एवं खान–पान से संबंधित जानकारियां दीं। मेले में आए मरीजों के लिए ओपीडी भी चलाई गई। परामर्श, बीमारियों के उपचार एवं निदान संबंधित वीडियो भी दिखाया। इस मौके पर एसडब्लूएस आर्ट्स के डायरेक्टर साकिब सिद्दीकी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। जिसमें छोटे–छोटे बच्चों ने मनमोहक नृत्य पेशकर सब का मनमोह लिया। उपस्थित लोगो मे संजीवनी के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार द्विवेदी, डॉ. एसके शुक्ला डॉ. एसएन मिश्रा डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. आरके मिश्रा डॉ. राहुल शुक्ला संजीवनी के सचिव श्रवण शुक्ल एसडब्लूएस आर्ट्स के डायरेक्टर साकिब सिद्दीकी, तनुज शर्मा, सरजीत गौतम, आशीष हेमकर, आशु पाण्डेय, रचना सोनकर, रीमा शुक्ला, श्रेया मेहता, तान्या सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय अति. जिला जज एफ. टी. सी. इलाहाबाद,

मुतफर्का वाद सं. 442 — **सन् 2023**

1. **बच्चा लाल उर्फ विनोद कुमार सोनकर** पुत्र स्वः कामता नाथ सोनकर नि. 1 महात्मा गांधी मार्ग, परगना एवं तहसील सदर जिला प्रयागराज। ...वादी

बनाम

1. **मो0 खालिद** पुत्र शफीक अहमद नि. महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाइन्स, परगना व तहसील सदर शहर प्रयाग राज। ....प्रतिवादी

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2025 के 01 के 30 दिवस** को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

ता.पेशी 30/01/2025

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद पदों के स्थरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5, नियम 1 और 5)
न्यायालय ए.सी.जे.(जू.डी.) कक्ष संख्या 9 प्रयागराज

वाद सं. 340 — **सन् 2023**

वन्दना सरोज आदि ...वादी

बनाम

अमृतलाल आदि
1.**नीता देवी** पत्नी विनोद कुमार ग्राम बरेस्ता कला ब्लॉक प्रतापपुर तहसील फूलपुर प्रयागराज 2.**सुनीता देवी** पत्नी सोहन लाल निवासी ग्राम दयालपुर ब्लॉक बहरिया तहसील सोरावं प्रयागराज

...प्रतिवादीगण

चूंकि याची ने आपके खिलाफ के लिए वाद संस्थित किया है अतएव आपको एतदद्वारा आहूत किया जाता है कि आप या स्वयं ऐसे अधिवक्ता द्वारा जोकि सम्यक रूपेण अनुदिष्ट है और वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हैं या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति है जो कि ऐसे सब प्रश्नो के उत्तर देने में समर्थ हैं। **2025 के 1 के 18 दिवस** को 10:30 बजे आहूत ने दावे का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय में उपसजात हो और आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों को पेश करें जिनका कि अपनी प्रतिरक्षा के समर्थन में सहारा लेने का आपका आशय हो।
आपको यह सूचना दी जाती है पूरवर्णित दिवस को आपको उपसजाति चूँक होने पर वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकला गया।

नियत तिथि - 18/01/2025

न्यायाधीश

जिलाधिकारी की अपेक्षा पर लोकपाल समाज शेखर पहुँचे बाबागंज ब्लाक के झींगुर ग्राम पंचायत

किया प्रारंभिक जांच/ मजदूरों व मनरेगा कर्मियों के लिए बयान

ग्राम पंचायत को 9 जनवरी को ग्राम सभा की बैठक बुलाने का दिया निर्देश

जांच के संदर्भ में सभी पक्षों को साक्ष्यों के साथ ग्राम सभा में सुनकर समाधान का लिया निर्णय

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने बाबागंज ब्लाक के झींगुर ग्राम पंचायत शनिवार को पहुँचे। जिलाधिकारी व जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा द्वारा 31 दिसंबर को ग्राम प्रधान करुणा देवी की प्रार्थना पत्र पर अपेक्षित ग्राम पंचायत को जारी रिकबरी नोटिस की जांच के संदर्भ में ग्राम वासियों, मजदूरों तथा मनरेगा कर्मियों के साथ जांच से जुड़े तथ्यों व साक्ष्यों के विषय में प्रारंभिक जांच की गई। लोकपाल ने गाँव के संभ्रांत नागरिक गणो की उपस्थित में तय किया की अपेक्षित जांच के सभी बिंदुओं पर चर्चा व निर्णय 9 जनवरी को ग्राम सभा की बैठक करके किया जाए। जिसकी नियमानुसार सुव्यवस्था करने का निर्देश ग्राम पंचायत व कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा तथा खंड विकास अधिकारी बाबागंज को दिया। प्रशासनिक सुव्यवस्था हेतु उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराने का निर्णय लिया। लोकपाल समाज शेखर ने सभी ग्राम वासियों से आपसी सौहार्द से गाँव की समस्या पर ग्राम सभा में चर्चा करके स्थाई समाधान निकालने में सहयोग व भागीदारी की अपेक्षा की है। उन्होंने कहा है की जो भी ग्राम वासी संदर्भित मामले में अपना बयान या तथ्य व साक्ष्य मौखिक या लिखित अथवा इलेक्ट्रानिक रूप से देना चाहते है वह लोकपाल के सीयूजी नंबर 8188067730 व वॉट्सअप नंबर 7007976231 पर संपर्क स्थापित कर सकते है।

'संजीवनी वेल्फेयर सोसाइटी एवं एस डब्लू एस के ओर से ग्लोबल आयुष एक्सपो 2025' मेले में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा'

'डॉ. राम लखन चौरसिया के कहानी सग्रह' बूढ़ी मां' पुस्तक का हुआ विमोचन'

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में चल रहे पांच दिवसीय श्ग्लोबल आयुष एक्सपो 2025श मेले में संजीवनी वेल्फेयर सोसाइटी एवं एसडब्लूएस आर्ट्स के तत्वावधान में रविवार को कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजितकया गया। डॉ. राम लखन चौरसिया के कहानी सग्रहश बूढ़ी मांश पुस्तक का विमोचन भी किया गया। जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं शायर एमए हसीन, मुख्य अतिथि ऑल इंडिया रेडियो के असिस्टेंट डायरेक्टर अशरफ अली बेग और विशिष्ट अतिथि शाकिर हुसैन तशना शमिल रहे। बतौर मुख्य वक्ता तलत महमूद ने बूढ़ी मां किताब के बारे में विस्तार से चर्चा की। संचालन निजाम हसन पूरी ने किया। इस मौके पर शायर और कवियों ने एक से बढ़कर एक गजलें पेश कीं और खूब दादा बटोरी।

शायर एमए हसीन ने श्मैं इजहारे मुहब्बत कर चुका, रुकी है बात उसकी हां नहीं परश पढ़ा। तशना कानपुरी ने हर्फ दो हर्फ ही बस उछाल गए, सैकड़ो उसके मतलब निकल गएश। डॉ. राम लखन चौरसिया ने श्देख कोलाहल काग के, हंस हो गए मौन, अंधों के बाजार में आँख खरीदे कौनश। तलत महमूद ने श्जिंदगी की जुस्तुजू में खुद्द को न तलाश कर, मरहले फिक्र और फलसफे और भी हैंश। फरमूद इलाहाबादी ने श्बात चौटिंग से मुलाकात तक आ पहुंची है, दिल लगी देखिये जज्बात तक आ पहुंची हैश। सुहेल अख्तर ने श्तेरी आंखों से तेरे दिल में उतर जऊंगा, सारा सरमाया तेरे नाम कर जाऊंगाश। निजाम हसनपुरी नेश गजल के रंग में एक बात है तुम्हारे लिए हमारे प्यार की सौगात है तुम्हारे लिएश। पेश कर खूब वाहवाही लूटी। संस्था के सचिव श्रवण शुक्ला और जयपुर के मोटिवेशनल स्पीकर कमलेंद्र त्यागी द्वारा सभी शायर एवं कवियों को आयुष ग्रेवल अवार्ड से सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में अशरफ अली बेग, तलत महमूद, शाकिर हुसैन तशना, सुहैल अख्तर, फरमूद इलाहाबादी, निजाम हसन पूरी, एम ए हसीन, हसीन जीलानी, सलाल इलाहाबादी, शिबली सना, शहीद अली शहीद और रामलखन चौरसिया शामिल रहे।

बस ने दो लोगों को रौंदा,घायलों को पुलिस ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के इटौंजा थाना क्षेत्र के मानपुर सब्जी मंडी के पास ठेलिया पर सब्जी लाद रहे सब्जी विक्रेता को बस ने टक्कर मार दी। वहीं, एक व्यक्ति के पैरों में पहिया चढ़ गया। लोगों ने इसकी सूचना इटौंजा थाना में दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इटौंजा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ सीतापुर रोड पर टाल प्लाजा के पास स्थित मानपुर सब्जी मंडी में ठेलिया पर सब्जी लाद रहे सब्जी विक्रेता को बस संख्या यूपी 34 सी टी 8709 ने जोरदार टक्कर मार दी। वहीं, एक व्यक्ति के पैर बस के पहिए के नीचे आ गए। सोमवार सुबह लगभग ग्यारह बजे के करीब हुई इस दुर्घटना सूचना लोगों ने इटौंजा थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल राजू पुत्र अलादीन उम्र लगभग 60 निवासी अलीगंज, लखनऊ को इलाज के लिए बीकेटी क्षेत्र के रामसागर मिश्र शौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। घायल की हालत गंभीर देखते हुए डाक्टर ने उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। वहीं दूसरे घायल बहादुर उम्र लगभग 27 वर्ष निवासी मानपुर थाना इटौंजा को पुलिस इलाज के लिए इटौंजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां आंख के डाक्टर नहीं होने के कारण बीकेटी क्षेत्र में स्थित रामसागर मिश्र शौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय रेफर किया गया है।

'नोएडा इकाई काव्य गोष्ठी की दिसम्बर माह 5/1६2025 की रिपोर्ट'

नोएडा । शहर समता विचार मंच.नोयडा इकाई की महिला काव्य गोष्ठी आ० प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा जी के दिशा निर्देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । इस काव्यगोष्ठी की मुख्यअतिथि 'रेनू मिश्रा' जी रहीं। 'अरुण त्रिवेदी' जी ने कर्यक्रम का अध्यक्ष पद संभाला। यह काव्य गोष्ठी शाम 6 बजे से 7 बजे तक चली जिसका शुभारंभ आ० अरुण त्रिवेदी ष्अनुपमष ने किया।सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति व माल्यार्पण 'रेनू मिश्रा' जी ने किया ।अनोवारा जी ने अपनी एक सुंदर प्रस्तुति भी दी। काव्य गोष्ठी का कुशल घ्संचालन व संयोजन आ0 प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा जी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी बहिनों ने अपनी अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये।चाहे वो प्रवीणा त्रिवेदी जी का रचना 'माहिया' हो या अर्चना कोहली जी की रचना हो या अनीता सिंह जी का बेहतरीन षीतष हो या बहिन अवंतिका जी की चनाष मेरी झोली भरकर जानाष हो या ममता जी की रचना 'हम उत्तरा खण्डी हैंष तथा रेणु मिश्रा जी की 'आज तेरी कल मेरी आनी सबकी है बारी' रचना हो या शिवानी चन्द्रा जी की घ्गजलघ हो कुल मिलाकर सभी की रचनाओं ने एक सुंदर सा समां सा बाँधा दिया। पूरा आयोजन बहुत ही सुंदर हो गया । आयोजन का समापन अवंतिका जी ने ही किया।

'प्रो 0 जगदीश प्रसाद यादव भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ बिहार के नये प्रदेश अध्यक्ष बनाये गये'

प्रयागराज। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पहली सूची के साथ साथ मध्यप्रदेश इकाई प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा कल। उत्तर प्रदेश , महाराष्ट्र झारखंड पंजाब के लिए विचार विमर्श जारी उ० प्र० के कई मण्डलों व जिला इकाइयों में व्यापक फेरबदल किया गया अखिलेश दीक्षित (चित्रकूट धाम), शमशाद अली (प्रयागराज) , कृष्णमणि शुक्ल (आजमगढ़) मण्डल अध्यक्ष मनोनीत किये गए रमाकांत त्रिपाठी प्रयागराज मण्डल और शिव गोविन्द उपाध्याय वाराणसी मण्डल के प्रभारी मनोनीत प्रयागराज यमुनापार जिला , प्रयागराज गंगापार जिला और प्रयागराज महानगर जिला बनाया गया अब प्रयागराज में होंगे तीन जिलाध्यक्ष एवं एक प्रभारी कई प्रदेश, मण्डल और जिले की इकाइयों को नये स्वरूप में गठित करने का निर्णय।

किसान पथ पर दो ट्रकों की भिडंत, गाड़ी में फंसे ड्राइवर की हालत गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में सोमवार को सुबह कोहरे की वजह से हादसा हो गया। किसान पथ पर एक ट्रक और डीसीएम की भिड़ंत हो गई। इसमें दोनों गाड़ियों के ड्राइवर और क्लीनर घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। हादसा किसान पथ पर पासिन ढकवा गांव के पास सोमवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि डीसीएम ड्राइवर गाड़ी में ही फंस गया था, जिसे बाहर निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। लखनऊ सड़क हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डीसीएम ड्राइवर सूरज कुमार (28) पुत्र राम प्रसाद निवासी गौरा जन पद सिद्धार्थ नगर का रहने वाला है। उसका इलाज कराया जा रहा है। परिजनों को भी जानकारी दी गई है।

इटौंजा थाना इलाके में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र के इटौंजा थाना इलाके में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। सोमवार सुबह मिले शव की सूचना ग्रामीणों ने इटौंजा थाने में दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि, युवक की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक इटौंजा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ सीतापुर रोड से सोनिकपुर गांव के मार्ग पर हर्षा फार्मा इंस्टीट्यूशन के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। उसकी उम्र करीब 40–50 वर्ष है। सोमवार सुबह लगभग 10 बजे शव की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से शव का शिनाख्त करवाने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। वहीं, पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं इस संबंध में इटौंजा थाना प्रभारी मार्कंडेय यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के शरीर पर कोई जाहिरा चोट नहीं दिखाई दे रही है। मृतक ने नीली डेनिम की शर्ट और नीली जैकेट काली जीन्स पहन रखा था।

अदालती नोटिस

वाद पदों के स्थरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5, नियम 1 और 5)
न्यायालय सिवल जज (कनिष्ठ श्रेणी) कक्ष सख्या 5 इलाहाबाद

वाद सं. 1472 — **सन् 2023**

1. **सरिता देवी** पत्नी उमाकान्त उम्र 42 वर्ष , 2. **अंकित कुमार** पुत्र उमाकांत उम्र 17 वर्ष , 3. **आकाश कुमार** उम्र 16 वर्ष , 4. **नेन्सी** पुत्री उमाकांत उम्र 10 वर्ष , 5. **मान्सी** पुत्री उमाकांत उम्र 8 वर्ष , 6. **प्रिंसी** पुत्री उमाकांत उम्र 8 वर्ष , नाबालिग माता हक़ीक़ी सरिता देवी पत्नी उमाकान्त निवासी गण जसवाँ (माधोपुर) पोस्ट बरौत परगना केवाई तहसील हण्डिया,प्रयागराज

...वादीगण

बनाम

1.**उमकान्त** पुत्र स्व शम्भूनाथ उम्र 44 वर्ष, 2. **शिवाकान्त**, 3. **शशिकान्त** पुत्रगण शम्भूनाथ ,4. **रमेश पुत्र जवाहर लाल** निवासी ग्राम गण जसवाँ (माधोपुर) पोस्ट बरौत परगना केवाई तहसील हण्डिया, प्रयागराज, 5. **कुसुम सिंह** पत्नी संजीव कुमार सिंह निवासी शंकरपुर, शादीपुर, तहसील हण्डिया प्रयागराज

...प्रतिवादीगण

चूंकि याची ने आपके खिलाफ के लिए वाद संस्थित किया है अतएव आपको एतदद्वारा आहूत किया जाता है कि आप या स्वयं ऐसे अधिवक्ता द्वारा जोकि सम्यक रूपेण अनुदिष्ट है और वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हैं या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति है जो कि ऐसे सब प्रश्नो के उत्तर देने में समर्थ हैं। **2025 के 1 के 18 दिवस** को 10:30 बजे आहूत ने दावे का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय में उपसजात हो और आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों को पेश करें जिनका कि अपनी प्रतिरक्षा के समर्थन में सहारा लेने का आपका आशय हो।
आपको यह सूचना दी जाती है पूरवर्णित दिवस को आपको उपसजाति चूँक होने पर वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकला गया।

नियत तिथि - 18/01/2025

न्यायाधीश

सम्पादकीय........

आदमी अब घर से बाहर क्या खाएं?

हाल में खबर आई है कि आगरा में 18 प्रसिद्ध और बड़ी कंपनियों के नाम से नकली घी तैयार हो रहा था। तैयार घी की पूरे यूपी समेत कई प्रदेशों में सप्लाई होती थी। इस घी से बाजार में फास्ट फूड तैयार होते हैं। पहले भी समयदृसमय पर नकली घी पकड़ा जाता रहा है। बाजार में पनीर, दूध, मावा और अन्य खाद्य पदार्थ के नकली होने की शिकायतें मिलती रहती हैं। आटा, दाल और अन्य खाद्य सामान भी घटिया क्वालिटी का पकड़ा जाता रहा है। पिछले कुछ समय से खाने या पानी में थूकने, पेशाब करने, खाने के बर्तन को नाली के पानी में धोने की शिकायते रहीं हैं। ऐसे में प्रश्न पैदा होता है कि आदमी घर से बाहर अब क्या खाएं? सफर में पेट भरने के लिए आदमी क्या करें? क्या हमें पुरानी स्थिति पर जाना होगा, जब आदमी घर से ही खाना लेकर चलता था। घर का खाना खत्म होने पर फल खाकर काम चलता था, किंतु बाजार का नहीं खाता था। या अब उसे घर से बड़ी कंपनियों के रेटीमेड फूट पैकेट लेकर चलने होंगे? आगरा के ताजगंज के मारुति सिटी रोड पर नवविकसित कॉलोनी के प्लॉट में नकली देसी घी तैयार करके पूरे प्रदेश में सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस और एसओजी की टीम ने छापा मारकर अमूल, मधुसूदन, पतंजलि सहित 18 मशहूर ब्रांडों के नाम की पैकिंग में नकली देसी घी जब्त किया है। इसमें रिफाइंड व अन्य कैमिकल की मिलावट की जा रही थी। फैक्टरी के मैनेजर सहित पांच लोग गिरफ्तार किए हैं। डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि मारुति सिटी रोड पर मारुति प्रभासम कॉलोनी में राजेश अग्रवाल नामक व्यक्ति के प्लॉट में टिन शेड डालकर फैक्टरी संचालित की जा रही थी। प्लॉट किराए पर ले रखा था। पूछताछ में बताया गया कि ग्वालियर निवासी बृजेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, नीरज अग्रवाल का प्योर इट के नाम से देसी घी का ब्रांड है। उन्होंने करीब छह माह पूर्व फैक्टरी खोली थी। कॉलोनी के राजेश भारद्वाज को मैनेजर बनाया था। बाजार से जिस ब्रांड की डिमांड मिलती थी, उसी ब्रांड के स्टिकर लगाकर टिन और डिब्बों में पैक कर दिया जाता था। प्रेस को यह भी बताया गया कि फैक्टरी में भारी मात्रा में बना हुआ घी, कच्चा माल, कई कंपनियों के स्टीकर, प्रयोग की जाने वालीं मशीन, पैकिंग मशीन आदि बरामद की गई हैं। बरामद माल की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। पुलिस फैक्टरी के संचालक और कर्मचारियों के विरुद्ध अपनी तरफ से मुकदमा दर्ज कर रही है। एफएसडीए की टीम को भी कार्रवाई के लिए बुलाया गया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि छापे से कुछ देर पहले ही नकली देसी घी के 50 टिन की खेप मेरठ भेजी गई थी। इस माल की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि नकली देसी घी प्रदेश के अलावा आसपास के राज्यों में सप्लाई किया जा रहा था। पॉम आयल, रिफाइंड, वनस्पति और एसेंस से तैयार हो रहा था। सुगंध असली घी जैसी और दाने भी रवेदार, एकबारगी तो पुलिस टीम को भी असली घी का भ्रम हुआ। डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि वह खुद मौके पर पहुंचे। सबसे पहला सवाल यह किया कि घी कैसे बनाते थे। आरोपियों ने बताया कि देसी घी की लोगों को पहचान नहीं है। कोई खुशबू देखता है तो कोई दाने। वो लोग पॉम ऑयल, रिफाइंड, वनस्पति घी, कैमिकल को मिलाकर देसी घी तैयार किया करते थे। उसमें एसेंस मिलाते थे। ताकि खुशबू आए। मौके से एक्सपाइरी डेट का रिफाइंड भी मिला। पुलिस ने आरोपियों से पूछा कि इसको क्यों खरीदा। मजदूरों ने बताया कि एक्सपाइरी डेट का माल सस्ता मिलता है। जब वे देसी घी बनाते थे तो इस रिफाइंड का भी प्रयोग करते थे। आगरा पुलिस के अनुसार बिल्टियों की जांच में पता चला कि नकली देसी घी को राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, असम व बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश के दो दर्जन से ज्यादा शहरों के फास्ट फूड बाजारों में सीधे बेचा जाता था। इसी घी से डोसा, भल्ले, समोसे और आमलेट तक बनाया जाता था। खाद्य और औषधि विभाग ग्वालियर के अनुसार रामनाथ अग्रवाल व उनके परिवार के लोग पहले नकली घी के कारोबार में लिप्त थे और रासुका भी लगी थी। 2010 के बाद से इन्होंने ग्वालियर छोड़ दिया था। इससे पहले 24 नवंबर 2023 को दिल्ली पुलिस ने द्वारका में एक ऐसी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है, जहां मिलावटी घी बनाया जाता था और उसे पतंजलि, मदर डेयरी और अमूल जैसे ब्रांड का स्टिकर लगे हुए कंटेनर में भरकर बेचा जाता था। बाबा रामदेव की नामी–गिरामी कंपनी पतंजलि ब्रांड गाय के घी का सैंपल खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग के द्वारा साल 2021 में दीपावली के पर्व पर टिहरी जनपद के घनसाली में एक दुकान से सैंपल भरा गया था। इसके बाद सैंपल को राज्य की प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया तो, सैंपल फेल पाया गया। खाद्य संरक्षा विभाग के द्वारा कंपनी को नोटिस जारी किया तो, कंपनी ने राज्य की लैबोरेट्री की रिपोर्ट को गलत साबित किया। खाद्य संरक्षा विभाग के द्वारा केंद्रीय प्रयोगशाला में सैंपल भेजा गया तो केंद्रीय प्रयोगशाला में भी बाबा रामदेव की पतंजलि ब्रांड गाय के घी का सैंपल फेल पाया गया। आज लोगों का घर से निकलना, घूमना, यात्र करना, विभागीय कार्य से बाहर जाना आम बात है। इन लोगों को ऐसे में घर से बाहर ढाबों, होटल और फास्ट फूड सैंटर से ही पेट भरना होता है। बाजार में नकली दूध पनीर की पहले ही शिकायत रहीं हैं। अन्य खाद्य पदार्थ की भी शुद्धता की कोई गारंटी नही। बिजनौर जनपद के चांदपुर क्षेत्र में पिछले साल नवरात्रि के अवसर पर बाजार में बिक रहे घटिया क्वालिटी का कूटू का आटा का खाकर काफी व्यक्ति पहले ही बीमार पड़ चुकें हैं। पिछले एक डेढ़ वर्ष से शिकायत मिल रही हैं कि कुछ लोग खाने में थूक रहे हैं। फलों पर पेशाब डालकर छिड़क रहे हैं। ब्रेड में थूका जा रहा है। खाने की सामग्री अपवित्र कर बेची जा रही है। मानव की फितरत रही है कम पैसा लगाकर ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाना। उसे इससे कोई मतलब नहीं कि उसके द्वारा उत्पादित खाद्य सामग्री खाने से खाने वाले पर क्या असर पड़ेगा। नकली सामान तैयार करने वालों को इससे कोई लेना.देना नहीं कि उनके द्वारा तैयार नकली और निम्न क्वालिटी के सामान के प्रयोग करने वाला बीमार होगा या नहीं। क्या असर होगा। वह मरेगा या जिएगा। इसे मिलावट को रोकने के लिए सरकार का आगे आना होगा। मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी और आजीवन कारावास जैसी सजा, संपत्ति की जब्ती जैसी कार्रवाई अमल में लानी होगी। भोजन को अशुद्ध करने के मामले में धर्म गुरूओं को आगे आकर जनचेतना पैदा करनी होगी। यदि ऐसा न हुआ तो हो सकता है, कि आने वाले समय में आदमी आज से 100 साल पीछे की हालत में चला जाए।

कैसे लीक मुक्त होगी प्रतियोगी परीक्षाएं

प्रेम शर्मा

उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग की परीक्षा में सामान्यीकरण के प्रावधान पर उठा विवाद के बीच बिहार राज्य लोक सेवा आयोग ने भी ऐसा ही फैसला सुना दिया, जिसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतर आए। फिर बिहार राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पर्चालीक के तथ्य उजागर हो गए।

हर वर्ष कहीं न कहीं प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षा के पर्चे लीक होने की खबरें आती रही है। इसके चलते कई बार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया में विलंब होता है। लम्बे अरसे से बेरोजगारों की उम्र अर्हता समाप्त होने जैसी तमाम समस्याएं सामने आ रही है। बीते वर्ष नीट को लेकर पैदा हुआ विवाद अब तक का सबसे लंबा चला विवाद था। पिछले कुछ समय से प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चालीक, धांधली और अपारदर्शिता के आरोप लगातार लगते रहे हैं। इसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतरते, अदालतों के दरवाजे खटखटाते देखे जाते हैं। बीता वर्ष शिक्षा के मामले में सबसे अधिक इसीलिए सुर्खियों में रहा कि उस दौरान लगातार परीक्षाओं पर विवाद उठते रहे। चाक–चौबंद माने जाने वाले राज्य सेवा आयोगों की परीक्षाओं में भी पर्चालीक की घटनाएं हुई। इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में दाखिले के लिए कराई जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर गंभीर आरोप लगे। कर्मचारी चयन आयोग, पुलिस भर्ती परीक्षा, यूजीसी की पात्रता परीक्षा आदि में पर्चालीक के मामले सामने आए। कई परीक्षाएं दोबारा करानी पड़ीं। कई पर्चो लीक करने वाले गिरोह पकड़े गए। उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग की परीक्षा में सामान्यीकरण के प्रावधान पर उठा विवाद के बीच बिहार राज्य लोक सेवा आयोग ने भी ऐसा ही फैसला सुना दिया, जिसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतर आए। फिर बिहार राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पर्चालीक के तथ्य उजागर हो गए। इसे लेकर कुछ केंद्रों पर फिर से परीक्षा कराने का फैसला किया गया। मगर छात्रों ने मांग उठा दी कि पूरी परीक्षा दुबारा कराई जाए, ताकि परीक्षा में पारदर्शिता बनी रहे। इस जायज मांग को रोकने के लिए बिहार सरकार ने छात्रों के खिलाफ दमन का रास्ता अख्तियार किया। इस तरह की घटनाओं से प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाले संस्थानों और उनकी पूरी परीक्षा प्रक्रिया पर से युवाओं का भरोसा कमजोर हो चुका है। शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश परीक्षाएं आयोजित कराने के मकसद से राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए का गठन किया गया। दावा किया गया कि प्रवेश परीक्षाओं में होने वाली धांधली को रोका जा सकेगा। मगर अपने गठन के शुरुआती चरण से ही यह एजंसी लगातार विवादों के घेरे में बनी हुई है। बहरहाल बीते वर्ष नीट परीक्षा का मामला उजागर होने के बाद भारत सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 को अधिसूचित कर कानून को 21 जून 2024 से लागू कर दिया है। कानून का उद्देश्य विभिन्न सरकारी,सार्वजनिक क्षेत्रों के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार और अनियमितताओं के खतरे को रोकना है। इस अधिनियम के तहत सभी अपराधों को संज्ञेय, गैर–जमानती और गैर–शमनीय बनाया गया है। इस अधिनियम के तहत अनुचित साधनों और अपराधों का सहारा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम तीन साल की कैद की सजा , जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है का प्रावधान है। इसके अलावा दस लाख रुपये तक के आर्थिक दंड का भी प्रावधान है। जुर्माने का भुगतान न करने की स्थिति में, भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के अनुसार अभियुक्त कारावास की अतिरिक्त सजा दी जा सकती है । कानून यह भी प्रावधान करता है कि जब तक भारतीय न्याय संहिता, 2023 को लागू किया नहीं किया जाता तब तक भारतीय दंड संहिता के प्रावधान, लागू होंगे।इस कानून के अनुसार सेवा प्रदाता को एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाकर दंडित किया जा सकता है और परीक्षा की आनुपातिक लागत भी ऐसे सेवा प्रदाता से वसूली जाएगी। इसके अलावा ,सेवा प्रदाता को अगले चार साल की अवधि तक किसी भी सार्वजनिक परीक्षा को आयोजित करने पर रोक होगा।यदि निदेशक, वरिष्ठ प्रबंधन या सेवा प्रदाता फर्म के प्रभारी व्यक्ति कदाचार के दोषी हैं तो उन्हें कम से कम तीन साल की कैद की सजा होगी, जिसे दस साल तक बढ़ाया जा सकता है और एक करोड़ तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अब एक सवाल फिर जेहन में समाने आता है कि लम्बे असरे से प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चे लीक होने के कारण लाखों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। यही नही सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने में विलंब के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। ऐसे में, जो भर्ती प्रक्रिया शुरू भी होती है, उसमें पारदर्शिता न होने के कारण लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना रहता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए युवा बरसों बरस मेहनत करके तैयारी करते हैं, मगर कुछ चालबाज और शातिर संचमारी कर उनमें अयोग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश कराने का प्रयास करते हैं, तो योग्य युवाओं की सारी मेहनत बर्बाद चली जाती है इसमें धन और समय की बर्बादी के साथ–साथ बहुत सारे युवाओं का पूरा जीवन ही अंधकारमय हो जाता है। परीक्षाओं के टलते रहने या देर से भर्तियां निकलने के कारण जिन युवाओं की अधिकतम आयु सीमा पार हो जाती है, उनके दर्द को कौन महसूस करेगा। यह समझ से परे है कि प्रतियोगी परीक्षाओं पर इतने विवाद के बावजूद सरकारें इनमें पारदर्शिता लाने का कोई भरोसेमंद उपाय क्यों नहीं जुटा पा रही हैं। यही नही जब पर्चे लीक के बाद छात्र या प्रतिभागी अपना विरोध दर्ज करते है तो उन पर लाठी डण्डे, पानी की बौछार, मारपीट इस बॉत का प्रमाण होता है कि जिम्मेदारी अपनी अक्षमता को छुपाने के लिए दमन पर उतारू है। अगर 21 जून 24 को लागू हुए कानून का शतप्रतिशत पालन नही होगा तो निश्चित तौर से देश में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं अविश्वास के घेरे में बरकरार रहेंगी।

राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरता के मध्य बौद्धिक संतुलन की आवश्यकता

संजीव ठाकुर

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा हैस वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती हैस लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है। देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टिकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं। राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती हैस जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती हैस अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैंस भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ–साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैंस यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैंस लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैंस अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे–छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों में बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टिकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं। लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भीक अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है। बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा किस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान म्यानमार उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है। लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की छांव की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचरिता, अवसरवादीता एवं एल्केन सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं। पता अवसरवादी लोकप्रियता वादी विचारों के असंतुलित तात्कालिक लाभों के स्थान पर बहुआयामी लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संतुलित विकास एवं समायोजन पर ध्यान देना चाहिए।परिणाम स्वरूप जनता ,सरकार ,राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी तथा अन्य सभी के हित की दृष्टि में बहुत ही व्यापक तथा दूरगामी परिणाम लाने वाले लोकतांत्रिक स्तंभ को एकजुट होकर सामाजिक संतुलन बनाए रखना होगा। एवं हम सभी के समेकित प्रयास से लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों एवं उसकी मूलभूत अवधारणाओं की रक्षा हो सकेगी।

निराशा त्यागे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैंस निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हौंस मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेंस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है, बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे मानवीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएस्इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैस्ऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा मानवीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी न बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे मानवीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक और प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

धनाश्री से तलाक की अफवाहों के बीच युजवेंद्र चहल ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट, लिखा-अपने पसीने की हर बूंद बहाई...

यूट्यूबर, डांसर और कोरियोग्राफर धनाश्री वर्मा और उनके पति क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों तलाक की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिससे इन अफवाहों को और हवा मिली है। इसी बीच युजवेंद्र चहल ने अपने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिससे लगता है कि उनकी जिंदगी में कुछ परेशानी चल रही है। युजवेंद्र चहल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने मेहनत, दर्द, और अपने कैरेक्टर के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा कि कड़ी मेहनत इंसान के चरित्र को उजागर करती है। आप अपनी यात्रा और संघर्ष को भली–भांति समझते हैं। आप जानते हैं कि यहां तक पहुंचने के लिए आपने कितनी कठिनाइयां झेली हैं। दुनिया सब कुछ जानती है, और आप गर्व से खड़े हैं। आपने अपने माता–पिता को गर्व महसूस कराने के लिए अपने पसीने की हर बूंद बहाई है, हमेशा एक सच्चे और प्राउड बेटे की तरह खड़े रहे। इसके साथ ही युजवेंद्र ने हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी शेयर किया, जो उनके दिल की भावनाओं को व्यक्त करता है। इस पोस्ट से यह साफ हो रहा है कि वह अपनी पारिवारिक स्थिति के बारे में गहरे विचार कर रहे हैं। इससे पहले भी 2023 में धनाश्री और युजवेंद्र के तलाक की अफवाहें सामने आई थीं। दरअसल, धनाश्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से श्चहलश सरनेम हटा दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच रिश्ते में समस्या की बात की जाने लगी थी। हालांकि, युजवेंद्र ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए फैंस से अपील की थी कि वे ऐसी अफवाहें न फैलाएं। धनाश्री और युजवेंद्र की लव स्टोरी भी काफी रोमांटिक है। धनाश्री ने एक बार बताया था कि लॉकडाउन के दौरान जब सभी क्रिकेटर घर पर बैठे थे, तब युजवेंद्र ने डांस सीखने का फैसला किया। युजवेंद्र ने धनाश्री से संपर्क किया और उन्हें डांस सिखाने के लिए राजी किया। इसके बाद दोनों का रिश्ता और मजबूत हुआ और 22 दिसंबर 2020 को उन्होंने शादी कर ली। यह शादी गुड़गांव में एक प्राइवेट सेरेमनी में हुई थी।

> “ युजवेंद्र चहल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने मेहनत, दर्द, और अपने कैरेक्टर के बारे में लिखा। उन्होंने लिखा कि कड़ी मेहनत इंसान के चरित्र को उजागर करती है। आप अपनी यात्रा और संघर्ष को भली-भांति समझते हैं। आप जानते हैं कि यहां तक पहुंचने के लिए आपने कितनी कठिनाइयां झेली हैं।

लंदन की सूनसान सड़कों पर शिल्पा शेट्टी ने करवाया फोटोशूट, ओपन जैकट और मिनी शॉर्ट्स में बेहद हॉट दिखीं 49 की एक्ट्रेस

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अपने बिजी शेड्यूल और हजारों टेंशनों के बीच खुद के लिए टाइम निकालना और खुद को खुश रखना अच्छे से जानती हैं। भले ही पति राज कुंद्रा के मामले में उन्हें लोगों के निशाने पर आना पड़ा, लेकिन वह हमेशा लोगों के सामने अपना पॉजिटिव एटिट्यूड रखती हैं। इसी बीच हाल ही में 49 की शिल्पा ने अपनी कुछ वेकेशन फोटोज शेयर की हैं और अपने लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। दरअसल, शिल्पा शेट्टी की ये तस्वीरें उनके हाल ही के लंदन ट्रिप की हैं, जहां वह सूनसान सड़कों पर अपनी हॉटनेस का तड़का लगाती दिख रही हैं। इन तस्वीरों में शिल्पा लाइट पीच टॉप के साथ ब्लैक जैकेट और मिनी शॉर्ट्स में बेहद हॉट लग रही हैं। इसके ड्रेसअप के साथ उन्होंने ट्रांसपेरेंट स्टॉकिंग्स और ब्लैक हाई हील्स पहनी हैं। बालों को खुले कर शिल्पा अंधेरी रात में सड़कों पर पॉकेट में हाथ डाल जबरदस्त पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर शिल्पा ने कैप्शन में लिखा–अंधेरे को रोशन करो, और तुम्हें अपना रास्ता मिल जाएगा। वर्कफ्रंट पर, शिल्पा को पहचान के लिए किसी परिचय की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने बॉलीवुड की धड़कन, रिश्ते, मैंने दिल तुझको दिया, लक्ष्य, सिर्फ तुम, हंगामा, और फिर हेरा फेरी जैसी हिट फिल्मों में काम किया है।

अक्षय कुमार का स्त्री 3 में रोल पक्का, डायरेक्टर दिनेश विजान ने किया कंफर्म

अक्षय कुमार का स्त्री 2 में कैमियो पिछले साल खूब चर्चा में रहा था। हालांकि, 2024 में उन्होंने खेल खेल में और सर्फीरा जैसी फिल्में लीड रोल में की, लेकिन स्त्री 2 ही उनकी सबसे बड़ी हिट साबित हुई। इस फिल्म ने 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करते हुए अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म का रिकॉर्ड बना लिया है। अब फैन्स जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या अक्षय कुमार स्त्री 3 में भी नजर आएंगे और क्या उनका किरदार और महत्वपूर्ण होगा। हाल ही में, मैडॉक फिल्म्स ने अपनी आगामी फिल्म लाइन–अप का ऐलान किया, जिसमें स्त्री 3 का नाम भी शामिल था। यह फिल्म 13 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। स्काई फोर्स के ट्रेलर लॉन्च के दौरान, अक्षय कुमार ने मजाक करते हुए कहा कि उनकी फिल्म को लेकर डायरेक्टर दिनेश विजान के साथ डेढ़ साझेदारी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अब मैडॉक फिल्म्स के हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बनेंगे, तो अक्षय ने कहा, क्या कहूं? दिनेश और ज्योति (देवपांडेय निर्माता) को ही इस बारे में फैसला करना होगा, वो ही पैसे लगाते हैं। हालांकि, अक्षय ने अपने बयान में 'स्त्री 3' में अपने रोल को कंफर्म करते हुए कहा, और अमर कौशिक को डायरेक्ट करना है। इस पर, दिनेश विजान ने पुष्टि की और कहा, शबिल्कुल, वह इस यूनिवर्स का हिस्सा हैं! वह हमारे थैनोस हैं। गौरतलब है कि स्त्री 2 में अक्षय कुमार का किरदार एक मानसिक अस्पताल के लीडर का था, जो सरकाटा के खून से संबंधित आखिरी जीवित सदस्य के रूप में दिखा। हालांकि उनका नाम नहीं बताया गया था, लेकिन उन्हें उस प्रेत को हमेशा के लिए हराने की कुंजी के रूप में पेश किया गया था। अब देखना यह होगा कि क्या अक्षय कुमार भविष्य में एक हॉरर–कॉमेडी फिल्म में लीड रोल में नजर आते हैं। स्त्री 2 को 15 अगस्त 2024 को रिलीज किया गया था। अमर कौशिक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने लगभग 1.5 महीने तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए रखा और भारत में 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थे।

शाहरुख खान शामिल होंगे मैडॉक फिल्म्स की हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स में बतौर विलेन?

2024 में मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी 'स्त्री 2' साल की सबसे बड़ी बॉलीवुड हिट बन गई। फिल्म में अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना के साथ राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर नजर आए थे। इस बीच, साल 2025 की शुरुआत में मैडॉक फिल्म्स ने अपने हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स से अपनी आने वाली 8 फिल्मों की रिलीज डेट की घोषणा की, जो साल 2028 तक सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। अब रिपोर्ट्स बताती हैं कि बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में मुख्य विलेन की भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर दिनेश विजान और उनकी टीम शाहरुख खान से एक खास रोल के लिए बातचीत कर रही है। बताया जा रहा है कि मैडॉक फिल्म्स की टीम किंग खान को हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स का मुख्य विलेन बनाना चाहती है। वैसे शाहरुख खान ने अपने करियर में बड़े पर्दे पर कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। उन्होंने हर बार अपने किरदार में कुछ नया करने की कोशिश की है। उन्होंने पहले भी खलनायक की भूमिकाएँ निभाई हैं और उन्हें उनके लिए खूब पसंद किया गया है। इसलिए, शाहरुख को खलनायक की भूमिका में देखना दिलचस्प होगा।

क्या शाहरुख खान मुख्य खलनायक होंगे?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीम के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि शाहरुख खान का किरदार ऐसा होगा जो हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की सभी फिल्मों से जुड़ा होगा। अगर पठान अभिनेता हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स से जुड़ते हैं, तो यह फ्रैंचाइज़ी को एक अलग स्तर पर ले जाएगा। संभावना है कि शाहरुख साल 2028 में रिलीज होने वाली फिल्म श्महायुद्धश या श्दूसरा महायुद्धश में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इस डील को लेकर शाहरुख खान या मैडॉक फिल्म्स की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

ये 8 फिल्में कौन सी हैं?

आपको बता दें कि मैडॉक की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में 8 फिल्में शामिल हैं, जो 2025 से 2028 के बीच सिनेमाघरों में आएंगी। इनमें से पहली है 'थामा', जिसमें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। इसके बाद 2025 में 'शक्ति शालिनी' भी आएगी। बाद में 2026 में भेड़िया 2 और चामुंडा रिलीज होगी। 2027 में स्त्री 3 और महा मुंज्या आएगी और 2028 में महायुद्ध और दूसरा महायुद्ध रिलीज होगी।

पायल कपाड़िया सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार पाने से चूकी, 'द ब्रूटलिस्ट' के ब्रैडी कॉर्बेट से हारी

82वें गोल्डन ग्लोब अवाड्र्स में, भारतीय फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया ने प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार के लिए नामांकित होने वाली केवल दूसरी भारतीय निर्देशक बनकर इतिहास रच दिया। हालांकि, अपनी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट के लिए व्यापक प्रशंसा प्राप्त करने के बावजूद, कपाड़िया ने द ब्रूटलिस्ट में अपने काम के लिए ब्रैडी कॉर्बेट से पुरस्कार खो दिया। 82वें गोल्डन ग्लोब अवाड्र्स में, भारतीय फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया ने प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार के लिए नामांकित होने वाली केवल दूसरी भारतीय निर्देशक बनकर इतिहास रच दिया। हालांकि, अपनी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट के लिए व्यापक प्रशंसा प्राप्त करने के बावजूद, कपाड़िया ने द ब्रूटलिस्ट में अपने काम के लिए ब्रैडी कॉर्बेट से पुरस्कार खो दिया। हालांकि वह प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार से चूक गईं, लेकिन कपाड़िया ने हार को शालीनता और खेल भावना के साथ संभाला। जब कॉर्बेट ने द ब्रूटलिस्ट के लिए ट्रॉफी ली, तो कपाड़िया मुस्कुराते हुए और विजेता की सराहना करते हुए देखे गए, जो कि गोल्डन ग्लोब्स को परिभाषित करने वाली सौहार्द और सम्मान की भावना को दर्शाता है। ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने सर्वश्रेष्ठ गैर–अंग्रेजी भाषा मोशन पिक्चर का पुरस्कार भी फ्रांसीसी फिल्म एमिलिया पेरेज़ से खो दिया। असफलताओं के बावजूद, कपाड़िया ने अपना संयम और गर्व बनाए रखा, यह जानते हुए कि उनकी फिल्म पहले ही वैश्विक फिल्म उद्योग में अपनी पहचान बना चुकी है। फिल्म ने पहले 2024 में कान फिल्म महोत्सव में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बनकर इतिहास रच दिया था। कपाड़िया और कॉर्बेट के अलावा, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक श्रेणी में अन्य निर्देशकों में द सब्सटेंस के लिए कोरली फरगेट, कॉन्क्लेव के लिए एडवर्ड बर्जर, एमिलिया पेरेज़ के लिए जैक्स ऑडियार्ड और एनोरा के लिए सीन बेकर शामिल थे। हालांकि कपाड़िया पुरस्कार नहीं जीत पाईं, लेकिन गोल्डन ग्लोब्स में उनकी उपस्थिति अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती पहचान को उजागर करती है। गोल्डन ग्लोब नामांकन कपाड़िया और भारतीय सिनेमा दोनों के लिए गर्व का क्षण था, क्योंकि इसने उनकी कहानी कहने और दृष्टि की वैश्विक सराहना को प्रदर्शित किया। हालाँकि वह जीत नहीं पाईं, लेकिन कपाड़िया का काम फिल्म निर्माताओं और दर्शकों को समान रूप से प्रेरित करता है, कई लोगों को उम्मीद है कि भविष्य के पुरस्कार सत्रों में भारतीय प्रतिभाओं को और अधिक पहचान मिलेगी। जैसे–जैसे पुरस्कार सत्र आगे बढ़ेगा, पायल कपाड़िया का नाम इतिहास की किताबों में ऐसे कुछ भारतीय फिल्म निर्माताओं में से एक के रूप में दर्ज रहेगा, जिन्होंने ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल की है।

कड़कड़ाती सर्दी में भी ठंडा नहीं होगा खाना, बस अपनाएं ये हैक्स

ठंड के मौसम में हम सभी कंबल में बैठकर गरमा–गरम खाना और ड्रिंक्स लेना पसंद करते हैं। लेकिन इस मौसम की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि खाना तुरंत ठंडा हो जाता है और फिर उससे वह मजा नहीं आता है। सर्द मौसम में अपने भोजन को गर्म रखना एक संघर्ष की तरह लग सकता है, फिर चाहे वह आपके सूप को भापदार रखना हो या बिरयानी को गर्म रखना हो। खासतौर से, जब बाहर ठंड हो तो कोई भी ठंडा खाना खाना पसंद नहीं करता। अब सवाल यह उठता है कि सर्दी के मौसम में खाने को किस तरह गरम रखा जाए। इसके लिए आप कुछ आसान हैक्स अपना सकती हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बता रहे हैं–

एल्युमिनियम फॉयल का करें इस्तेमाल

ठंड के मौसम में खाने को गरम रखने के लिए एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया है। फॉयल में भोजन को कसकर लपेटने से गर्मी को रोकने में मदद मिलती है और यह गर्मी को बाहर निकलने से रोकता है। यह तरीका पके हुए सामान, रोस्टेड मीट और यहां तक कि पुलाव के लिए भी कारगर है। इन्सुलेशन की एक अतिरिक्त परत के लिए, फॉयल में लिपटे बर्तन के चारों ओर एक साफ तौलिया लपेटें। यह खाने को एक घंटे तक गर्म रख सकता है।

गर्म पानी का करें इस्तेमाल

गर्म पानी की मदद से भी खाने को लंबे समय तक गर्म रखा जा सकता है। इसके लिए आप एक बड़े बर्तन या ट्रे का इस्तेमाल करें और उसमें गर्म पानी भरें। अब आप अपने खाने के कंटेनर उसमें रखें। इससे करी या दाल लंबे समय तक गरम बनी रहेगी। बस सुनिश्चित करें कि कंटेनर लीक–प्रूफ हों।

अच्छी क्वालिटी के इंसुलेटेड कंटेनर में करें इनवेस्ट

अपने खाने को गर्म रखने के लिए आप इंसुलेटेड कंटेनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सूप और स्टू के लिए थर्मस फ्लास्क से लेकर मेन कोर्स के लिए बड़े इंसुलेटेड बर्तन तक, इन कंटेनर को लंबे समय तक गर्मी बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इंसुलेटेड कंटेनर खरीदते समय आप डबल–वॉल वैक्यूम इंसुलेशन वाला कंटेनर चुनें।

सर्दियों में केसर दूध का पीने से मिलते हैं जबरदस्त फायदे, फर्टिलिटी बढ़ाता है

सर्दियों के दौरान रात को सोने से पहले दूध पीना एक हेल्दी आदत है। सेहत अच्छी रखने के लिए केसर का दूध पीना काफी हेल्दी होता है। वैसे तो केसर सबसे महंगे मसालों में माना जाता है। इसकी महक और कलर इसे बाकी मसालों से हटके बनाती है। अगर आप रोजाना सोने से पहले केसर वाला दूध पीते हैं, तो आपके लिए काफी हेल्दी है।

अनिद्रा दूर होती है

जिन लोगों को रात को नींद कम आती है, वो लोग दूध में केसर डालकर इसे जरुर पीना चाहिए। दूध में केसर मिलाकर पीने से माइंड को रिलैक्स मिलने में मदद होती है और नींद भी अच्छी आती है।

मेटाबॉलिज्न बढ़ाता है

केसर वाला दूध पीने से मेटाबॉलिज्म सिस्टम बूस्ट होता है और वेट लॉस करना भी आसान होता है।

फर्टिलिटी बढ़ाता है

केसर को पुरुषों और महिलाओं के लिए फर्टिलिटी बढ़ाने के लिए काफी फायदेमंद है। केसर में एफ्रोडिसिएक प्रॉपर्टीज होती है जो लिबिडो और सेक्सुअल फंक्शन को बढ़ाने में मदद करती है। केसर वाला दूध पीने से सेक्स ड्राइव बढ़ाने में भी मदद मिलती है। इसके साथ ही स्पर्म की क्वालिटी और मोटैलिटी बढ़ाने में मदद करती है।

स्किन पर एंटी एजिंग का काम करती है

रात को सोने से पहले केसर वाला दूध पीने से स्किन को यंग दिखने में मदद मिलती है। इसके सेवन से इलास्टिसिटी को बढ़ाता है। फाइन लाइंस और रिंकल को कम करता है।

डाइजेशन को ठीक रहता है

केसर वाला दूध पीने से रात को डाइजेस्टिव एंजाइम्स के सेक्रेशन में मदद करता है। केसर का दूध के सेवन से ब्लॉटिंग की समस्या कम हो जाती है। इसके साथ ही गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक में भी राहत मिलती है।

डिप्रेशन के लिए असरदार

जो लोग डिप्रेशन की समस्या से जूझ रहे हैं और उनके लिए रोजाना केसर वाला दूध पीना फायदेमंद हो सकता है। 2019 की स्टडी के मुताबिक केसर डिप्रेशन के माइल्ड और मॉडरेट लक्षणों पर असर दिखाता है।

महिलाओं का ब्लड शुगर रहेगा कंट्रोल में, बस फॉलो करें ये 6 जरूरी टिप्स

डायबिटीज यानी मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जिसमें ब्लड में शुगर का स्तर सामान्य से ज्यादा बढ़ जाता है। यह समस्या पुरुषों और महिलाओं दोनों में हो सकती है, लेकिन महिलाओं में डायबिटीज के कारण होने वाली जटिलताएं ज्यादा देखी जाती हैं। मधुमेह से पीड़ित महिलाओं में दिल की बीमारी, किडनी की समस्या और आंखों की दिक्कतों का खतरा अधिक रहता है। इसके अलावा, यह हार्मोनल असंतुलन, इनफर्टिलिटी, पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) और गर्भावस्था में कई गंभीर समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। इसलिए डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित करना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जो महिलाओं को डायबिटीज को कंट्रोल करने और स्वस्थ रहने में मदद करेंगे।

रोजाना एक्सरसाइज करें

शारीरिक गतिविधि डायबिटीज को कंट्रोल करने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है। रोजाना कम से कम 30 मिनट की एक्सरसाइज, जैसे तेज सैर, योग या हल्का कार्डियो, आपके ब्लड शुगर लेवल को सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। यह न केवल आपकी ऊर्जा बढ़ाता है बल्कि वजन को भी नियंत्रित रखता है।

धूम्रपान छोड़ें

धूम्रपान न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह डायबिटीज के लक्षणों को भी बढ़ा सकता है। धूम्रपान से नसें सिकुड़ने लगती हैं, जिससे रक्त संचार प्रभावित होता है। अगर आप डायबिटीज को नियंत्रित करना चाहते हैं, तो धूम्रपान छोड़ना बेहद जरूरी है।

स्ट्रेस कम करें

तनाव ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाने का बड़ा कारण बन सकता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए प्राणायाम, ध्यान और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को बेहतर बनाएगा।

अच्छी नींद लें

पर्याप्त नींद डायबिटीज को मैनेज करने में मदद करती है। रोजाना 7–8 घंटे की नींद लें, क्योंकि नींद की कमी ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकती है और आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

हेल्दी डाइट लें

आपका आहार डायबिटीज को नियंत्रित करने में सबसे अहम भूमिका निभाता है। फाइबर, प्रोटीन और सही मात्रा में कार्ब्स से भरपूर भोजन करें। तली–भुनी चीजों और ज्यादा कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों से बचें। सलाद, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज को अपने डाइट में शामिल करें।

ब्लड शुगर पर नजर रखें

अपने ब्लड शुगर लेवल की नियमित जांच करें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आपकी दिनचर्या और खानपान से ब्लड शुगर पर क्या असर हो रहा है। यह आपके डॉक्टर को भी सही इलाज सुझाने में मदद करेगा। डायबिटीज को नियंत्रित करना मुश्किल नहीं है, लेकिन इसके लिए सही दिनचर्या और खानपान को अपनाना जरूरी है। ऊपर बताए गए टिप्स को अपनाकर महिलाएं अपने ब्लड शुगर को नियंत्रण में रख सकती हैं और जटिलताओं से बच सकती हैं।

नोटः यह जानकारी सामान्य सुझावों पर आधारित है। किसी भी उपाय को अपनाने से पहले अपने डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

खांसी नहीं ठीक हो रही तो भून कर खाएं अमरूद, शुगर मरीज के लिए वरदान

फलों में इस समय अमरूद का खूब आनंद लिया जा रहा है। सिर्फ फल ही नहीं अमरूद के पत्ते भी बड़े फायदेमंद माने जाते हैं, खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए। फाइबर से भरपूर अमरूद पेट के लिए भी बहुत बढ़िया है लेकिन अमरूद का जो फायदा हम आपको बताने जा रहे हैं, शायद उसके बारे में आपको जानकारी ना हो। जी हां, इस मौसम में बहुत से लोग सर्दी–जुकाम और खांसी की चपेट में हैं। खांसी भी ऐसी की एक बार शुरू हो जाए तो रुकने का नाम नहीं लेती। दिन का सुकून और रात का चैन, सब छीन लेती हैं। चलिए आपको इस जिद्दी खांसी का ही सस्ता और आसान सा नुस्खा बताते हैं।

भुने हुए अमरूद से खांसी का इलाज

खांसी और जुकाम के लिए भुना हुआ अमरूद लेना एक घरेलू उपाय है। विशेषज्ञ के अनुसार, भुना हुआ अमरूद पुरानी खांसी से छुटकारा पाने में काफी फायदेमंद साबित होता है। अमरूद में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है और अमरूद में मौजूद गुण खांसी पैदा करने वाले माइक्रोबियल को रोकते हैं। एक स्टडी के मुताबिक, सर्दी में लगने वाली खांसी में भुने हुए अमरूद के साथ उसके पत्ते भी बहुत फायदेमंद रहते हैं। अमरूद एस्कॉर्बिक एसिड और आयरन का एक भरपूर स्रोत है जो लंग कंजेशन और बलगम बनने की प्रक्रिया को कम करता है।

कच्चे अमरूद को कितना भूनें?

सबसे पहले एक कच्चा अमरूद लें और याद रखिए कि अमरूद कच्चा ही होना चाहिए। इसे दो हिस्सों में काट लें और सेंधा नमक लगाकर स्टोव पर भून लें। बैंगन की तरह जब अमरूद पूरी तरह से भुन जाए,तो उसे खांसी से पीड़ित व्यक्ति को खिला दें। भुना हुआ अमरूद तीन से चार दिन तक खाएं।

अमरूद की पत्तियां भी वरदान

जिन लोगों को शुगर है उन्हें अमरूद की पत्तियों का पानी पीना चाहिए। अमरूद की नरम साफ पत्तियां लें और जरूरतानुसार पानी में उबाल लें। इस पानी का सेवन करें। यह डायबिटीज रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

अमरूद खाने के अन्य कई फायदे

पोषण तत्वों से भरपूर, दिल के लिए बढ़ियाः अमरूद में विटामिन सी, विटामिन ए और फाइबर के अलावा पोटेशियम, फोलिक एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा भरपूर होती हैं जो हमारे शरीर के लिए बहुत बढ़िया माने जाते हैं। अमरूद में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। अमरूद के सेवन से कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित रहता है और दिल को स्वस्थ बनाए रखता है।

पाचन में मददः अमरूद में फाइबर की उच्च मात्रा होती है जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती हैं उन्हें काला नमक लगाकर अमरूद का सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी बढ़ाएः विटामिन सी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करती है।

स्किन के लिए भी अच्छाः अमरूद में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी होते हैं और विटामिन सी आपकी स्किन के लिए भी फायदेमंद है। यह त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं। यह स्किन पर झुर्रियों आने से भी रोकता है।

वजन नियंत्रणः अमरूद में कम कैलोरी और उच्च फाइबर होता है, जो पेट को भरा महसूस कराता है। लंबे समय तक भूख नहीं लगती जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

रॉयल लुक पाने के लिए पहनें ये लेयर नेकलेस सेट, गॉर्जियस नजर आएंगी आप

भारतीय महिलाओं को साड़ी पहनना पसंद होता है और इसमें लुक भी काफी अच्छा लगता है। साड़ी के साथ किसी भी तरह की ज्वेलरी स्टाइल करते हैं, तो लुक में एक ग्रेस एड हो जाता है। वहीं आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता है। आप लेयर नेकलेस के अलग–अलग डिजाइन वाले सेट ट्राई कर सकती हैं। इससे आपका लुक सुंदर नजर आएगा। वहीं इस तरह के नेकलेस में आपको अलग–अलग डिजाइन मिल जाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि साड़ी के साथ आप किस तरह की डिजाइन वाले सेट ट्राई कर सकती हैं।

रानी हार डिजाइन वाला लेयर नेकलेस

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो रानी हार डिजाइन वाला लेयर नेकलेस स्टाइल कर सकती हैं। यह पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। इस सेट को साड़ी के साथ पहनने से आप रॉयल लुक क्रिएट कर सकते हैं। इस नेकलेस में पेंडेंट दो लेयर में मिलता है। वहीं इसके साथ मैचिंग इयररिंग्स और मांग टीका मिलता है। मार्केट में आपको इस तरह के सेट 200–300 रुपए में मिल जाएंगे।

मोती वाला लेयर नेकलेस सेट

मोती वाला लेयर नेकलेस सेट सिल्क साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। यह सेट पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। इसके ऊपर ब्रोच का डिजाइन होता है। यह पूरी माला आपको डबल कलर के शेड में मिलेगा। मार्केट में आपको इस तरह का सेट 100–200 रुपए में आसानी से मिल जाएंगे। आप इस तरह के सेट के साथ इयररिंग्स और रिंग भी खरीदकर स्टाइल कर सकते हैं।

कुंदन वर्क लेयर नेकलेस सेट

अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए कुंदन वर्क लेयर नेकलेस पहन सकती हैं। इसमें आपका लुक महारानी जैसा लगेगा। आपको अलग–अलग कलर और डिजाइन में मार्केट में आपको इस तरह का नेकलेस सेट मिल जाएगा। इसके साथ आपको इयररिंग्स और मांग टीका भी मिल जाएगा। इससे आपका लुक बेहद सुंदर नजर आएगा। मार्केट में आपको इस तरह के सेट 300 से 400 रुपए तक में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त

अदाणी के बाहर निकलने के बाद विल्मर का FMCG व्यवसाय को बढ़ाने पर होगा जोर

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी खाद्य तेल कंपनी अदाणी विल्मर लिमिटेड (एडब्लूएल) से अदाणी समूह के बाहर निकलने के बाद विल्मर अपने उच्च–मार्जिन वाले एफएमसीजी व्यवसाय को बढ़ाने पर जोर देगी। सूत्रों के अनुसार विल्मर आईटीसी के समान रणनीति अपनाते हुए अपने मुख्य व्यवसाय और व्यापक वितरण नेटवर्क का लाभ उठाने की तैयारी कर रही है। आईटीसी ने एफएमसीजी में विस्तार करने के लिए अपने मजबूत सिगरेट व्यवसाय का इस्तेमाल किया। उसी तरह एडब्लूएल अपने प्रमुख खाद्य तेल व्यवसाय का उपयोग एफएमसीजी वृद्धि के लिए आधार के रूप में करने के लिए तैयार है। मामले से अवगत सूत्रों ने कहा कि अदाणी समूह के बाहर निकलने के बाद, विल्मर भारतीय बाजार में अधिक वैश्विक एफएमसीजी ब्रांडों को पेश कर सकती है। दिसंबर तिमाही में एडब्ल्यूएल के एफएमसीजी व्यवसाय ने मात्रा के लिहाज से सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल बिक्री की मात्रा में खाद्य और एफएमसीजी की हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई। इस खंड की कुल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़कर नौ प्रतिशत हो गई।

नायरा एनर्जी रोज एक पेट्रोल पंप जोड़कर अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार करेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी विभिन्न राज्यों में अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने के लिए इस साल 400 पेट्रोल पंप जोड़ने की योजना बना रही है। कंपनी के देशभर में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप हैं। कंपनी अपने नेटवर्क में लगातार नए पेट्रोल पंप जोड़ रही है और गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में तेजी से विस्तार कर रही है। कंपनी ने बयान में कहा कि हम इस साल 400 नए खुदरा आउटलेट

जोड़ने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत में आक्रामक रूप से विस्तार की अपनी योजना के तहत नायरा एनर्जी ने नए डीलर शामिल करने और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने डीलर कार्यक्रम को भी नया रूप दिया है। यह अब पेट्रोल पंप खोलने के लिए देशभर में नई डीलरशिप के लिए आवेदन आमंत्रित कर रही है। नायरा गुजरात के वडिनार में दो करोड़ टन सालाना की रिफाइनरी का परिचालन करती है। 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप के साथ यह देशभर में विश्वसनीय और सुरक्षित परिवहन की आवश्यकता को पूरा करती है। कंपनी हाल ही में 4,50,000 टन सालाना के पॉलीप्रॉपिलीन संयंत्र के साथ पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतरी है। देश का सबसे युवा पेट्रोलियम ब्रांड होने के नाते नायरा एनर्जी उपभोक्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए ईंधन खुदरा बिक्री श्रेणी में बदलाव ला रही है। बयान में कहा गया, ''नायरा एनर्जी के खुदरा पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को हमेशा ईंधन की सही गुणवत्ता और मात्रा का भरोसा मिलेगा।'' कंपनी ने कहा कि नायरा एनर्जी के ईंधन स्टेशन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं।

अमेजन, फ्लिपकार्ट के खिलाफ जांच रू न्यायालय ने लंबित मामलों को कर्नाटक उच्च न्यायालय किया स्थानांतरित

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने अमेजन तथा फ्लिपकार्ट की उन याचिकाओं को कर्नाटक उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया, जिसमें कंपनियों ने कथित कदाचार के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उनके खिलाफ जांच शुरू करने के आदेश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि यदि स्थानांतरित याचिकाओं में से कुछ में दलीलों पर जिरह पूरी नहीं हुई है तो मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश इसके लिए उचित समय देंगे। पीठ ने कहा, '' यह उचित होगा कि इस स्थानांतरण याचिका की विषय–वस्तु वाली सभी याचिकाओं को सुनवाई के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया जाए। '' अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय को बताया किया कि निष्पक्ष व्यापार नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा वर्तमान याचिका दायर किए जाने के बाद विभिन्न उच्च न्यायालयों में पांच याचिकाएं दायर की गई हैं। न्यायालय ने निर्देश दिया कि इन याचिकाओं को कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया जाए। पीठ ने कहा, '' यदि इसके बाद किसी अन्य उच्च न्यायालय में इसी प्रकार की याचिकाएं दायर की जाती हैं तो वे भी इस आदेश के अंतर्गत आएंगी। '' शीर्ष अदालत ने इससे पहले सीसीआई द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया था। सीसीआई ने ई–कॉमर्स दिग्गजों द्वारा दायर याचिकाओं को उच्च न्यायालयों से शीर्ष अदालत या दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। निष्पक्ष व्यापार नियामक ने फ्लिपकार्ट और अमेजन पर उनके मंच पर भारी छूट तथा पसंदीदा विक्रेताओं के साथ गठजोड़ सहित कदाचार के आरोपों के बाद जांच का आदेश दिया है। सीसीआई का जांच आदेश दिल्ली व्यापार महासंघ की शिकायत के बाद आया, जिसके सदस्यों में स्मार्टफोन और संबंधित सहायक उपकरण के कई व्यापारी शामिल हैं। अमेजन और फ्लिपकार्ट ने सीसीआई के जांच आदेश को चुनौती देते हुए विभिन्न उच्च न्यायालयों में अलग–अलग याचिकाएं दायर की हैं।

सुपरस्टार कल्चर से आगे नहीं बढ पा रही टीम, प्रदर्शन आधारित चयन हो : हरभजन

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने बीसीसीआई से टीम में 'सुपरस्टार क्लचर' खत्म करने और खिलाड़ियों का चयन साख पर नहीं बल्कि पूरी तरह से प्रदर्शन के आधार पर करने का अनुरोध किया है। एक दशक में पहली बार भारतीय टीम की आस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद हरभजन ने यह टिप्पणी की। उन्होंने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा ,'' टीम में सुपरस्टार कल्चर बन गया है। हमें सुपरस्टार नहीं चाहिये, अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी चाहिये। टीम में अच्छे परफॉर्मर होंगे तो ही टीम आगे बढेगी। जो भी सुपरस्टार बनना चाहता है, वह घर में रहकर वहीं क्रिकेट खेले।'' उन्होंने कहा, ''अभी इंग्लैंड का दौरा आने वाला है। अब हर कोई बात करने वाला है कि उसमें क्या होगा, कौन टीम में रहेगा और कौन नहीं। मेरा मानना है कि यह सीधा मसला है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी ही टीम में रहने चाहिये। आप साख के आधार पर टीम नहीं चुन सकते।' हरभजन ने कहा, ''अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो कपिल देव सर और अनिल भाई को भी ले जाइये। यहां बीसीसीआई और चयनकर्ताओं को सख्त होना होगा। सुपरस्टार तेवरों से टीम आगे नहीं जा सकती।'' आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली खराब फॉर्म में थे। भारत ने हार के साथ विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल खेलने का मौका भी गंवा दिया। कोहली ने नौ पारियों में 190 रन बनाये और अक्सर स्लिप में कैच देकर आउट हुए। हरभजन ने कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे क्रिकेटरों को किसी भी प्रारूप में खेलकर इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के लिये अपनी उपयोगिता साबित करनी चाहिये। उन्होंने कहा ,'' टीम प्रदर्शन के आधार पर चुनी जाये। चाहे विराट कोहली हो, रोहित या कोई और।

कोई खिलाड़ी टीम से बड़ा नहीं है भले ही उसे लगता हो कि वह बड़ा सुपरस्टार है। भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना है तो कठिन सवाल पूछने होंगे।'' उन्होंने कहा,'' मैं यह नहीं कह रहा कि उन्हें बाहर कर दो लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों को तभी चुना जाये जब उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ क्रिकेट खेली हो।'' हरभजन ने कहा, ''विराट कोहली ने 2024 में 11 टेस्ट में 440 रन बनाये। औसत 23.15 रहा। वह बहुत बड़ा नाम है इसलिये यह आंकड़ें अजीब लग रहे हैं। मैं भी हैरान रह गया। अगर आप एक युवा को मौका देंगे तो इतने रन तो वह भी बना लेगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगर जसप्रीत बुमराह नहीं होते तो भारत 0.5 या 0.4 से हारता। उन्होंने कहा, ''उसकी गन्ने की तरह पिराई हुई है। ट्रेविस हेड आया तो बुमराह को गेंद दो, मार्नस आया तो बुमराह को गेंद दो, स्टीव स्मिथ आया तो बुमराह को गेंद दो। आखिर वह कितने ओवर फेंकेगा। उसकी कमर टूट गई है। टीम प्रबंधन को तय करना होगा कि आखिर वह कितने ओवर डालेगा।

कपिल देव की वजह से भारत में पैदा हुआ था क्रिकेट का क्रेज, टीम इंडिया को बनाया था विश्व विजेता

आज यानी की 06 जनवरी को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान कपिल देव सबसे कम उम्र में विश्व कप जीतने वाले कप्तान बने थे। कपिल देव ने महज 24 साल

अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। इसके साथ ही वह की उम्र में भारतीय क्रिकेट टीम में वनडे विश्वकप जिताया था। इस तरह से कपिल देव की कप्तानी में टीम इंडिया ने पहला विश्वकप जीता था। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर कपिल देव के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में। जन्म पंजाब के चंडीगढ़ में 06 जनवरी 1959 को कपिल देव का जन्म हुआ था। कपिल देव अपनी खतरनाक गेंदबाजी और विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे। उनका नाम दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर्स शामिल था। वह अपनी लय में दुनिया के बेहतरीन विरोधी टीमों को पस्त करने में माहिर थे। कपिल देव के पास गेंदबाजी में सटीकता और गेंद को स्विंग कराने की बेहतरीन क्षमता थी। गेंदबाजी के अलावा बल्लेबाजी में भी उनका कोई तोड़ नहीं था। विश्व कप जीताने वाले कप्तान साल 1983 में क्रिकेट विश्व कप में कपिल देव भारत की कप्तानी कर रहे थे। इस विश्व कप में कपिल देव ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और भारत को पहली बार विश्व कप का खिताब जीता। कपिल देव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 गेंदों में नायाब 175 रन बनाए। उस मैच में कपिल देव छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को दो बार विश्व चौंपियन वेस्टइंडीज को 43 रनों से हराया था। इस विश्व कप में भारतीय गेंदबाजों ने भी अहम भूमिका निभाई थी। रोजर बिन्नी ने 18 और मदन लाल ने 17 विकेट लिए थे, तो वहीं 12 विकेट लेकर कपिल देव 7वें नंबर पर थे।

करियर की शुरूआत

साल 1978–1994 में कपिल देव का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर 16 साल तक चला। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ क्वेटा वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरूआत की थी। यह मैच 01 अक्तूबर 1978 को खेला गया था। वहीं 16 अक्तूबर को कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। यह मैच पाकिस्तान के खिलाफ फैसलाबाद में खेला गया था। फिर 16 साल बाद उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। कपिल देव ने आखिरी वनडे मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था।

विपक्षी बल्लेबाज पहनने लगे थे हेलमेट कपिल देव वह भारतीय बल्लेबाज थे, जिन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों के मन में डर पैदाकर दिया था।

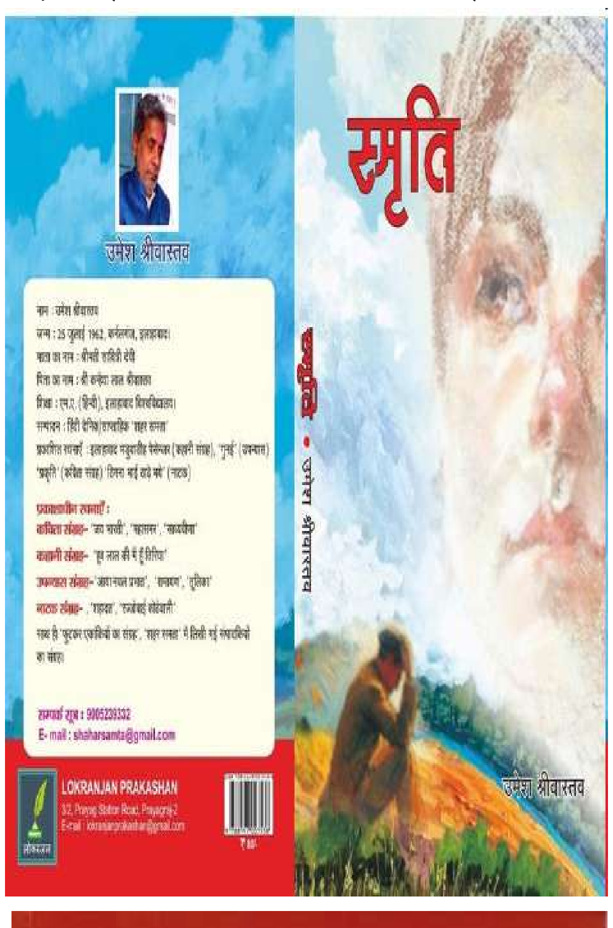

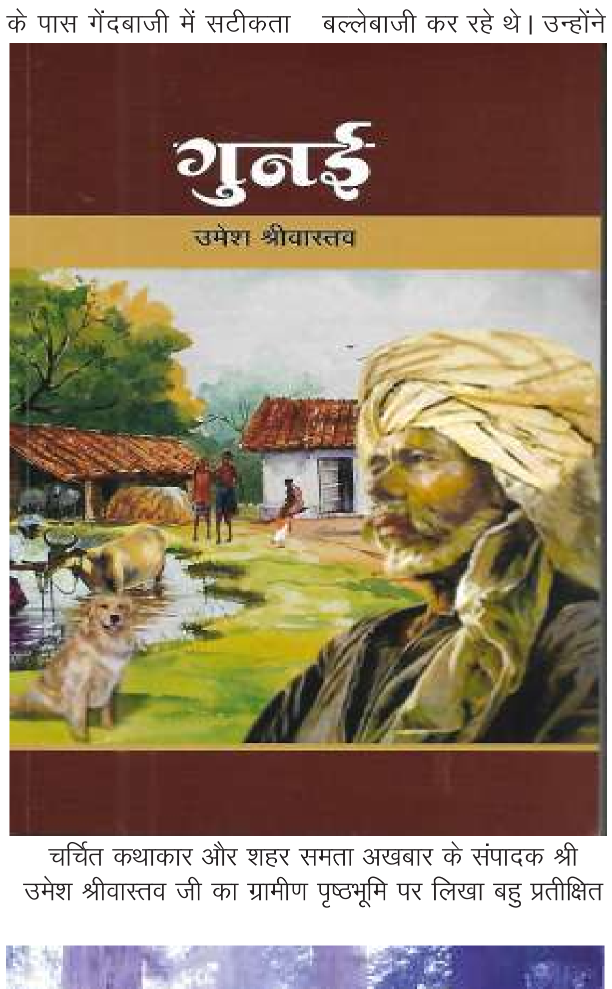

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

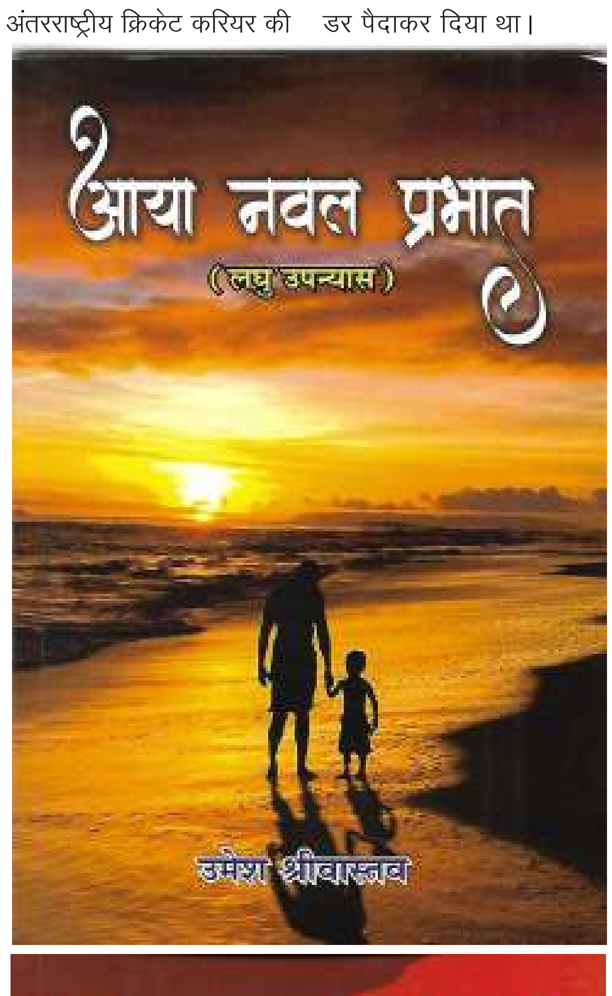

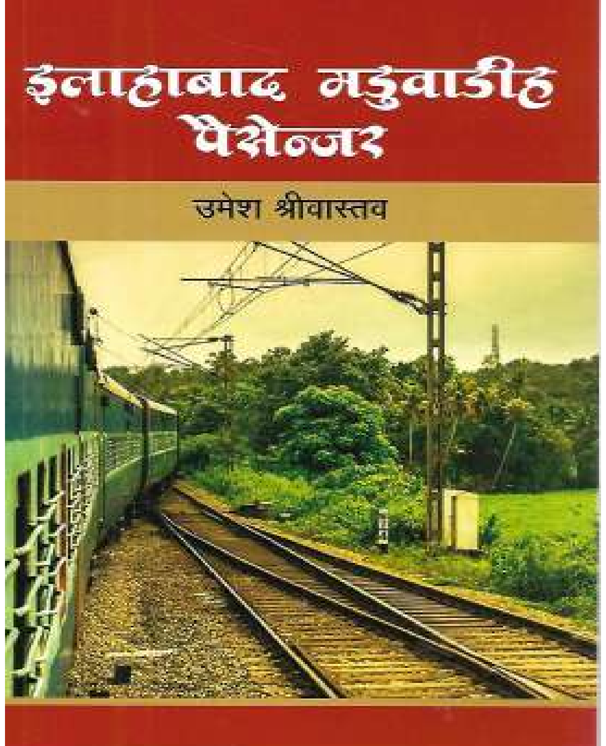

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

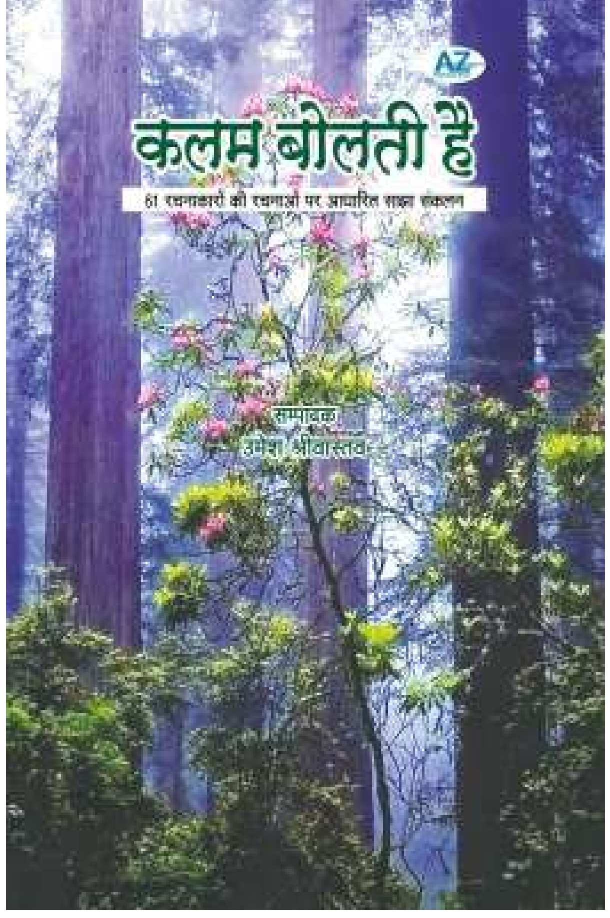

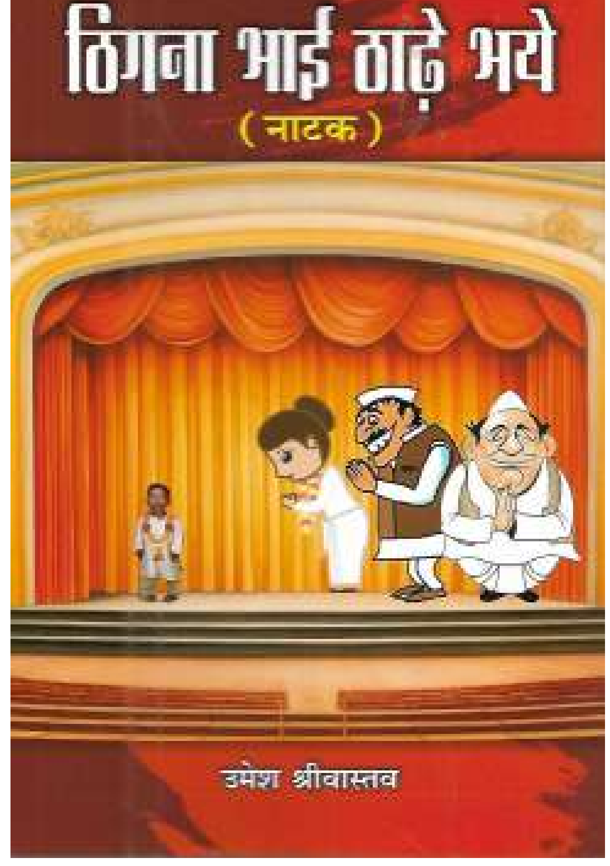

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश ने 95 भारतीय मछुआरों को रिहा किया

बांग्लादेश ने रविवार को 95 भारतीय मछुआरों को भारत को सौंप दिया, जबकि नयी दिल्ली ने 90 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा किया। एक–दूसरे की हिरासत में बंद मछुआरों की पारस्परिक रिहाई की प्रक्रिया दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच हुई है। भारत और बांग्लादेश ने एक–दूसरे के

मछुआरों को रिहा करने के निर्णय की घोषणा बृहस्पतिवार को थी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, "बांग्लादेशी पक्ष ने 95 मछुआरों और मछली पकड़ने वाली चार नौकाओं को भारतीय तटरक्षक बल को सौंप दिया। वहीं, भारतीय तटरक्षक बल ने 90 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा कर दिया।" भारतीय तटरक्षक बल ने बयान में कहा, भारतीय मछुआरों को बांग्लादेश से वापस लाए जाने के बाद दक्षिण 24 परगना में पश्चिम बंगाल के मत्स्य विभाग के अधिकारियों को सौंपा जा रहा है।

रूस से लगे सागर में टैंकर से तेल रिसाव होने के कारण 32 डॉल्फिन की मौत

रूस के डेल्फा डॉल्फिन बचाव एवं अनुसंधान केंद्र ने कहा कि ये मौतें ''संभवतः ईंधन तेल का रिसाव होने से संबंधित हैं।'' रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल रिसाव को ''पारिस्थितिक आपदा'' करार दिया है। केर्च जलडमरूमध्य में तीन हफ्ते पहले समुद्री तूफान की चपेट में आये दो टैंकर से तेल का

रिसाव होने से 32 डॉल्फिन की मौत हुई है। एक पशु बचाव समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। केर्च जलडमरूमध्य रूस के कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र से अलग करता है। रूस के डेल्फा डॉल्फिन बचाव एवं अनुसंधान केंद्र ने कहा कि ये मौतें ''संभवतः ईंधन तेल का रिसाव होने से संबंधित हैं।'' रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल रिसाव को ''पारिस्थितिक आपदा'' करार दिया है।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में मिसाइल दागी : दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 2025 में भी अपनी हथियार परीक्षण गतिविधियों को जारी रखते हुए समुद्र में कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। सोमवार को दक्षिण कोरिया के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने तत्काल इस बात की पुष्टि नहीं की है कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या उनका निशाना कितनी दूर तक था। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन उत्तर कोरिया से जुड़े परमाणु खतरे और अन्य मुद्दों पर दक्षिण कोरियाई सहयोगियों के साथ बातचीत के लिए सियोल की यात्रा पर हैं।

लिबरल पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे सकते हैं कनाडा के प्रधानमंत्री ज्तनकमंन : रिपोर्ट

ओटावा, एजेंसी। मीडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्टी में आंतरिक असंतोष और लोकप्रियता में कमी आने के कारण कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इस सप्ताह लिबरल पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे सकते हैं। 'ग्लोब एंड मेल' समाचार पत्र ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रूडो कब पद छोड़ेंगे, लेकिन बुधवार को होने वाली एक अहम बैठक से पहले उनके इस्तीफे की उम्मीद है। ट्रूडो 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री से बातचीत करने वाले एक सूत्र ने कहा कि 53 वर्षीय ट्रूडो का

मानना है कि पार्टी की बैठक (लिबरल कॉकस) से पहले उन्हें एक बयान देने की जरूरत है, ताकि ऐसा नहीं लगे कि उन्हें अपने ही सांसदों द्वारा जबरन हटाया गया है। सूत्रों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रूडो तुरंत पद छोड़ देंगे या नए नेता के चुने जाने तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि लिबरल पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी नेतृत्व के मुद्दों पर निर्णय लेगी और इस सप्ताह उसकी बैठक प्रस्तावित है। एक सूत्र ने कहा कि उनका अनुमान घ्है कि जब तक कोई नया नेता नहीं चुन लिया जाता, ट्रूडो तब तक अपने पद पर बने रहेंगे। लिबरल पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि नेतृत्व का फैसला करने में कम से कम तीन महीने लगेंगे, हालांकि पार्टी संविधान में कम से कम चार महीने का प्रावधान है। ट्रूडो के इस्तीफे की खबर ऐसे समय में आई है जब देश में उनकी लोकप्रियता लगातार घटती जा रही है और अक्टूबर के अंत तक देश में चुनाव होने हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अनाथ बच्चों के प्रति संवेदना दिखाने के उद्देश्य से आज मनाते हैं विश्वयुद्ध अनाथ दिवस, युद्ध से पीड़ित बच्चों के प्रति बढ़ी दुनिया की जिम्मेदारी

युद्ध में अपने माता पिता को खोकर अनाथ हुए बच्चों के प्रति दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से विश्व युद्ध अनाथ दिवस हर साल 6 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन अनाथ बच्चों द्वारा सहन किए गए आघात के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का उद्देश्य जागरूकता फैलाना और युद्ध के अनाथ या संघर्ष में बच्चों द्वारा सामना किए गए संकटों को दूर करना है। कई बार देखा गया है कि अनाथालयों में बड़े होने वाले बच्चे अक्सर भावनात्मक और सामाजिक भेदभाव का सामना करते हैं। यह दुनिया भर में मानवीय और सामाजिक संकट बन गया है। कोरोनो वायरस महामारी ने दुनिया भर में कई बच्चों के लिए खाद्य असुरक्षा और बुनियादी स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाया है। विश्व युद्ध अनाथ दिवस को ऐसे बच्चों के सामने आने वाले मुद्दों की याद दिलाने और दुनिया को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी के रूप में चिह्नित किया जाता है कि ऐसे बच्चों को भी स्वास्थ्य और शैक्षिक अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त हो। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि युद्ध में बहुत से लोगों की जान चली जाती है और कई बच्चे अपने माता–पिता और भाई–बहनों से वंचित रह जाते हैं।

जानिए यह दिन क्यों महत्वपूर्ण है?

पिछले साल दुनिया ने कई तीव्र संघर्ष देखे हैं, जैसे कि इज़राइल और हमास, रूस और यूक्रेन युद्ध, बांग्लादेश और पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और अफ्रीका के कई देशों में गृह युद्ध। इन संघर्षों के परिणामस्वरूप युद्ध अनाथों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। विश्व युद्ध अनाथ दिवस इन अनाथ बच्चों की ज़रूरतों और कठिनाइयों की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित करने में मदद करता है। इन बाधाओं को पार करना शायद ही कभी इतना आसान हो, क्योंकि जो बच्चे अपने माता–पिता और भाई–बहनों को अपनी आँखों के सामने मरते हुए देखने के अकल्पनीय दर्द से पीड़ित होते हैं, उन्हें अपने आघात के कारण मुख्यधारा के समाज में घुलने–मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

युद्ध अनाथ दिवस का इतिहास और आंकड़ा

फ्रांस के एसओएस एनफैंट्स एन डिट्रेसेस नाक संगठन ने विश्व युद्ध अनाथ दिवस की स्थापना की। ऐसे बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (न्छप्ब्थ्) ही मुख्य सहारा है। यूनिसेफ के अनुसार पूर्वोत्तर देशों में ऐसे लगभग 9,00,000 बच्चे हैं, जो युद्ध से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। इसके बाद उन्हें शिक्षा, आवास, भोजन और शारीरिक क्षति से गुजरना पड़ा है। मौजूदा वक्त में ऐसे अनाथों की संख्या अनुमानित आंकड़ों के अनुसार 150 मिलियन तक है, इनमें 52 मिलियन अफ्रीका में 10 मिलियन कैरेबियन और लैटिन अमेरिका में 63 मिलियन एशिया में 10 से 12 मिलियन मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में शामिल हैं। 95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चों की उम्र 5 वर्ष के आसपास है। रूस–यूक्रेन युद्ध और इजरायल–हमास युद्ध के बाद ये आंकड़ा और बढ़ा है।

समझिए इस दिन का महत्व

यूनिसेफ का अनुमान है कि 2015 तक दुनिया भर में 140 मिलियन अनाथ बच्चे थे। 18वीं, 19वीं और 20वीं सदी में लड़े गए युद्धों में मरने वाले लगभग आधे लोग नागरिक थे। द्वितीय विश्व युद्ध में यह संख्या बढ़कर दो–तिहाई हो गई और 1980 के दशक तक लगभग 90प्रतिशत पीड़ित नागरिक थे। इसलिए, 1990–2001 के बीच अनाथों की अनुमानित संख्या में वृद्धि हुई है। हालाँकि, यूनिसेफ ने कहा कि यह संख्या धीरे–धीरे 0.7ः प्रति वर्ष की दर से घट रही है, लेकिन इस संबंध में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, क्योंकि हर गुजरते साल के साथ नए संघर्ष सामने आ रहे हैं। अनाथों की सुरक्षा की आवश्यकता भी अधिक गंभीर होती जा रही है। बच्चे ऐसे हमलों का मूक लक्ष्य बन जाते हैं और अक्सर उन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। वे उथल–पुथल, विस्थापन, नस्लीय उथल–पुथल और संसाधनों की कमी के जीवन में बड़े होते हैं। युद्ध की स्थितियों में, बहुत से बच्चे यौन उत्पीड़न, जबरन मजदूरी और मानव तस्करी के भी शिकार होते हैं। युद्ध में अनाथ हुए बच्चों का विश्व दिवस उन सभी अन्यायों और चुनौतियों को उजागर करने में महत्वपूर्ण हो जाता है जिनका सामना वे अपने जीवन जीने में करते हैं।

मानसिक पीड़ा, आघात से उबारना होता है मुश्किल

युद्ध ग्रस्त बच्चों को इसकी पीड़ा से उबारना बेहद मुश्किल कार्य होता है। जिन बच्चों ने अपने माता–पिता दोनों को खो दिया है या जिन्होंने सिर्फ अपनी माता या सिर्फ पिता को खोया है, उनकी मानसिक पीड़ा को महसूस करने मात्र से ही कलेजा फट जाता है। ये वही बच्चे होते हैं, जो पूरी तरह बेघर और बेसहारा हो जाते हैं। इस छोटी से उम्र में अपने माता या पिता को खो देते हैं। जिस घर या आंगन में उनके खेलने–कूदने की उम्र थी, उसे वह युद्ध की बमबारी में खो चुके होते हैं। फिर उनके लिए पूरी तरह एक नई दुनिया तैयार करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इनकी पढ़ाई–लिखाई से लेकर इनके लालन–पालन और लाड–प्यार की चिंता करने वाले माता–पिता के नहीं होने पर उनकी दुर्दशा को महसूस करने मात्र से ही दिल–दिमाग हिल उठता है। मगर ऐसे बच्चों की जिंदगी को ही फिर से पटरी पर लाने के लिए विश्वयुद्ध अनाथ दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

मेड इन अमेरिका हथियार लिए पाकिस्तान में घुसे 15 हजार काबुली किलर, मोर्चे से भागे सैनिक

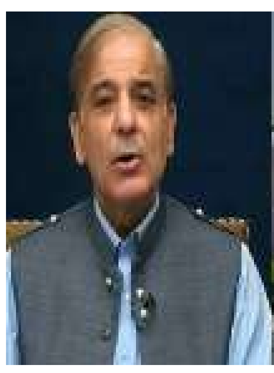

जिस तालिबान ने अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। जिस तालिबान के खूंखार लड़ाकों के सामने पाकिस्तान के फौजियों की टांगे कांपने लगती है। जिस तालिबान के लड़ाके एक बार कसम खाते हैं तो मरकर भी बदले की कसम को निभाते हैं। उस तालिबान ने पाकिस्तान से आर पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर हजारों सैनिक, टैंक, बख्तरबंद वाहन और खतरनाक हथियारों के साथ हमला बोल दिया है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बार्डर पर खतरनाक जंग छिड़ चुकी है। तालिबान युद्ध का आदी है, लेकिन पाकिस्तान में इस खबर के बाद हड़कंप मच गया है। पाकिस्तानी जानते हैं कि तालिबान को हराना उनके लिए नामुमकिन है। बीते मंगलवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की थी। जिसके बाद अफगान तालिबान ने अपना वादा निभाते हुए पाकिस्तान की आर्मी को टारगेट करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान की आर्मी के साथ खूनी खेल खेलना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक से भड़के तालिबानी लड़ाकों के हमले से अब तक 19 पाकिस्तानियों की मौत हो चुकी है। तालिबान के लड़ाकों ने पाकिस्तान की दो महत्वपूर्ण चौकियों पर तो कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं डूरंड लाइन पर मौजूद कई पाकिस्तानी चौकियों को तालिबान ने आग के हवाले कर दिया है। पाकिस्तान के सैनिक वहां से भागे भागे फिर रहे हैं। इस्लाम के नाम पर तालिबान और पाकिस्तान आमने सामने हैं और बार बार परमाणु परमाणु करने वाला पाकिस्तान अब तालिबान के सामने थर थर कांप रहा है। जब तालिबान ने अफगानिस्तान से अमेरिका को भगाया था। तो पाकिस्तान में बहुत जश्न मनाया गया था। लेकिन तब काबुल में घुसा तालिबान अमेरिका के छोड़े गए आधुनिक हथियारों को लेकर पाकिस्तान पर चढ़ाई कर रहा है। तालिबान के लड़ाकों के काफिले की तस्वीरें पाकिस्तान के लोगों को डरा रही हैं। पाकिस्तानी भी मान रहे हैं कि उनकी फौज के लिए तालिबानियों को रोक पाना नामुमकिन है। तालिबान से जुड़े तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित एक पाकिस्तानी चौकी पर कब्जा करने का कथित वीडियो जारी किया है। टीटीपी को पाकिस्तान तालिबान भी कहते हैं। टीटीपी के सूत्रों ने दावा किया है कि उन्होंने उत्तर–पश्चिम पाकिस्तान के कबायली जिले बाजौर में चौकी पर कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इस चौकी को खाली करवाया गया था और यहां से सुरक्षाकर्मियों को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया था। चौकी खाली कराने की प्रक्रिया सिर्फ बाजौर तक ही सीमित नहीं थी बल्कि यह उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान जिलों में भी की गई थी।

भारत से पंगा और ट्रंप से मुलाकात, अब जाने वाली है जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी, देंगे इस्तीफा

कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा 6 जनवरी को अपना इस्तीफा देने की उम्मीद है। ट्रूडो को अपनी लिबरल पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में लिबरल पार्टी के तीन सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है कि ट्रूडो की घोषणा सोमवार को भी आ सकती है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह घोषणा बुधवार को राष्ट्रीय लिबरल पार्टी के कॉकस से पहले हो सकती है। हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रूडो अंतरिम नेता के रूप में बने रहेंगे या नहीं, जबकि लिबरल पार्टी नए नेतृत्व की तलाश कर रही है। ट्रूडो 2013 में लिबरल पार्टी के नेता बने थे, जब उन्हें भारी संकट का सामना करना पड़ा था और पहली बार कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में तीसरे स्थान पर सिमट गए थे। 20 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद चुनौतियों से निपटने के लिए उनके इस्तीफे से त्वरित चुनाव के लिए नई मांग उठने की उम्मीद है। पिछले साल दिसंबर में प्रमुख सहयोगी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह ने कहा था कि वह अल्पमत लिबरल सरकार को गिराने के लिए एक प्रस्ताव पेश करेंगे। सिंह पार्टी ट्रूडो को पद पर बनाए रखने में मदद कर रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक खुले पत्र में घोषणा की कि वह अगले साल ट्रूडो के नेतृत्व वाली लिबरल सरकार में विश्वास खोने की घोषणा करेंगे, एक ऐसा कदम जो अन्य विपक्ष की स्थिति में समय से पहले चुनाव कराएगा। पार्टियां उनके इस कदम का समर्थन करती हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

राष्ट्रपति यून को हिरासत में लें, जांचकर्ताओं ने मांगी पुलिस से मदद

दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट लगातार गहरा रहा है और अब महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल को गिरफ्तार करना जांचकर्ताओं के लिए टेढ़ी खीर बन गया है। यून सुक योल की गिरफ्तारी का विरोध होने के बाद जांचकर्ताओं ने पुलिस से मदद मांगी है। दक्षिण कोरिया की भ्रष्टाचार–रोधी एजेंसी ने कहा कि उसने पुलिस से महाभियोगाधीन राष्ट्रपति यूं

सुक येओल के लिए गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन की जिम्मेदारी लेने को कहा है। यह अनुरोध 3 जनवरी, 2025 को राष्ट्रपति गार्डों के साथ तनावपूर्ण गतिरोध के बाद गिरफ्तारी वारंट को निष्पादित करने के असफल प्रयास के बाद आया है, जिन्होंने जांचकर्ताओं की पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए एक मानव श्रृंखला बनाई थी। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी और पुलिस ने सोमवार को यून की हिरासत के संबंध में एक सप्ताह के वारंट की अवधि समाप्त होने से कुछ घंटे पहले इस चर्चा किए जाने की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि वह एजेंसी के अनुरोध पर विचार कर रही है। भ्रष्टाचार जांच कार्यालय उच्च पदस्थ अधिकारियों से संबंधित ऐसे मामलों को देखता है और पुलिस के अनुसार, यून को हिरासत में लेने के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय के अदालत से नया वारंट जारी करने का अनुरोध करने की संभावना है। वारंट की अवधि सोमवार मध्य रात्रि को समाप्त हो रही है। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी इस अवधि के समाप्त होने से पहले यून को हिरासत में लेने का एक और प्रयास करेगी या नहीं। माना जाता है कि पुलिस के पास राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के वास्ते संभवतः अधिक सशक्त प्रयास करने के लिए संसाधन हैं। 'सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने यून को हिरासत में लेने का वारंट 31 दिसंबर को जारी किया था, क्योंकि वह पूछताछ के लिए जांच अधिकारियों के समक्ष पेश नहीं हो रहे थे। लेकिन जब तक यून अपने आधिकारिक आवास में हैं उन्हें हिरासत में लिया जाना काफी जटिल है। राष्ट्रपति इस बात से निराश थे कि विपक्षी दलों की बहुमत वाली संसद उनकी नीतियों को बाधित कर रही थी, जिसके बाद उन्होंने तीन दिसंबर को 'मार्शल लॉ' लगाने की घोषणा की। हालांकि मार्शल लॉ केवल कुछ घंटे तक ही लागू रहा लेकिन इसने देश की राजनीति, कूटनीति और वित्तीय बाजारों में हलचल मचा दी। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी, पुलिस और सैन्य जांच अधिकारी संयुक्त रूप से इस मामले की जांच कर रहे हैं।

दक्षिण कोरिया में थे अमेरिका के विदेश मंत्री, उधर सनकी तानशाह किम जोंग ने दाग दी मिसाइल

दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार, उत्तर कोरिया ने सोमवार, 6 जनवरी, 2025 को पूर्वी सागर में कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की। यह उत्तर कोरिया के बढ़ते हथियार परीक्षण को जारी रखता है। दक्षिण कोरियाई ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने प्रक्षेपण की पुष्टि की लेकिन मिसाइलों की संख्या या उनकी उड़ान दूरी के बारे में तुरंत विवरण नहीं दिया। यह प्रक्षेपण अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की सियोल यात्रा के दौरान हुआ। वह उत्तर कोरियाई परमाणु खतरे और अन्य विषयों पर चर्चा के लिए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 2025 में भी अपनी हथियार परीक्षण गतिविधियों को जारी रखते हुए सोमवार को कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी जिसका निशाना 1,100 किलोमीटर दूर तक था। दक्षिण कोरिया के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने बताया कि मिसाइल को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास के इलाके से दागा गया ।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।